संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 154
पृष्ठ 8
रविवार
22 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- काली झाइयां क्या होती हैं?

विचार- राहुल को मारने के खतरनाक मंसूबे

खेल- अभिषेक पर बरकरार रहेगा टीम...

पीएम मोदी ने बटन दबाकर इंडिया चिप का उद्घाटन किया, सीएम योगी बोले

पिछली सरकारों में गोलियां चलती थी, आज जेवर प्रदेश का जेवर बनकर उभरा

नोएडा (संवाददाता)। ग्रेटरनोएडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया चिप सेमीकंडक्टर यूनिट का वर्चुअली उद्घाटन किया। यमुना सिटी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ रेल मंत्री अश्वनी वैष्णवी भी मौजूद हैं। च्ड इस यूनिट से 4 हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। साथ ही, भारत की सेमीकंडक्टर एरिया में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा– आज का दिन एतिहासिक है। सबसे पहला सेमी कंडक्टर प्लांट जेवर की भूमि में रख रहे हैं। सेमीकंडक्टर फांउडेशन टेक्नॉलाजी है। सेमी कंडक्टर जिस देश में होता है वहां पर कई तरह की मैन्यूफैक्चरिंग संभव हो जाती है। साढ़े ग्यारह साल में पीएम ने किस तरह से देश को पावर हाउस बना दिया। जहां इलेक्ट्रॉनिक्स नगण्य थी, वहां 12 लाख करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्फेक्चरिंग है।

मैसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड कंपनी सेमीकंडक्टर यूनिट लगाएगी। ये कंपनी भ्स्र और फॉक्सकॉन का जाइंट वेन्चर है। कंपनी को सेक्टर–28 में 48 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। कंपनी यमुना सिटी में 3706.15 करोड़ का निवेश करेगी। यूनिट की आधारशिला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिलान्यास समारोह को वर्चुअल रूप से संबोधित कर सकते हैं।

योगी ने कहा– पीएम के विजनरी में भारत एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में बढ़ रहा है। उसी क्रम में यूपी की पहली सेमी कंडक्टर यूनिट का शिलान्यास होने जा रहा है। पीएम ने देश को टैक्नॉलजी के रूप में विकसित किया है। चार दिनों से दुनिया और देश भारत मंडपम में एआई सब्मिट हुई। जिसमें अनुमान है 10 लाख लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। 110 देश भारत के भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में शामिल हुए। उनका आभार।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने पिछले साल सेमीकॉन इंडिया के बारे में कहा था– आइरन इस ब्लैक गोल्ड और चिप आर डिजिटल डायमेंड 21वीं सदी का विकास है। वो चिप आधारित तकनीक पर है। भारत में पहली बार देखने को मिल रहा है तो पीएम के कारण देखने को मिल रहा है।

ब्राजीली राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, भारत–ब्राजील में क्रिटिकल मिनरल्स समझौता

5 साल में 20 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला दा सिल्वा के साथ उनकी बातचीत से दोनों देशों की रणनीति साझेदारी में नयी ऊर्जा आयी है और दोनों पक्षों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) के पार ले जाने की प्रतिबद्धता जतायी है।

श्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आये श्री दा सिल्वा के साथ शनिवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि श्री दा सिल्वा की यात्रा ने भारत–ब्राजील रणनीतिक साझेदारी में नया जोश भर दिया है।

प्रधानमंत्री ने कहा,ष्राष्ट्रपति दा सिल्वा की यात्रा ने हमारी रणनीतिक साझेदारी में नयी ऊर्जा का संचार किया है। ब्राजील लातिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। हम अगले पांच वर्षों में अपने द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर (करीब 1,814.5 अरब रुपये) से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार केवल एक आंकड़ा नहीं है, यह विश्वास का प्रतिबिंब है।

श्री मोदी ने कहा कि श्री दा सिल्वा के साथ आया बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल इन संबंधों में बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

चुनाव आयोग बंगाल में विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले केंद्रीय बलों की तैनाती शुरू करेगा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही चुनाव आयोग राज्य में केंद्रीय सशस्त्र बलों की तैनाती शुरू कर देगा। गृह मंत्रालय से जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार यह तैनाती दो चरणों में होगी। शुरुआत में राज्य में कुल 480 कंपनियां तैनात की जायेंगी। पहले चरण में एक मार्च तक 240 कंपनियों को तैनात किया जायेगा। इनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 110 कंपनियां, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 55 कंपनियां, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की 27 कंपनियां, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 27 कंपनियां और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की 21 कंपनियां शामिल हैं। दूसरे चरण में 10 मार्च तक अतिरिक्त 240 कंपनियों को तैनात किया जायेगा। इस जत्थे में सीआरपीएफ की 120 कंपनियां, बीएसएफ की 65, आईटीबीपी की 20, एसएसबी की 19 और अन्य केंद्रीय बलों की 16 कंपनियां शामिल होंगी।

31 मार्च तक देश से खत्म होगा नक्सलवाद

असम में पहली बार हुई सीआरपीएफ स्थापना दिवस परेड में बोले शाह

दिसपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस परेड का असम में पहली बार आयोजन होना पूरे पूर्वोत्तर के लिए गर्व का क्षण है। गुवाहाटी में आयोजित परेड को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 86 साल के इतिहास में पहली बार सीआरपीएफ की रेजिंग डे परेड पूर्वोत्तर में हो रही है, जो क्षेत्र के महत्व को दर्शाता है। शाह ने बताया कि 2019 में निर्णय लिया गया था कि यह वार्षिक परेड देश के अलग–अलग हिस्सों में आयोजित की जाएगी।

परेड को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है, इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी बल को तैनात किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं सीआरपीएफ पर भरोसा कर सकता हूं और विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च तक देश से नक्सल समस्या का सफाया कर देंगे। इससे पहले गृह मंत्री ने कछार जिले के कटिगरा स्थित भारत–बांग्लादेश सीमा क्षेत्र के नतनपुर में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2.0 की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं।

कानून को 'किले' से 'मंच' में बदलना होगा, ताकि सबकी पहुंच हो : सीजेआई सूर्यकांत

जोधपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून समाज को मनमानी से बचाने के लिए खड़ा किया गया एक किला बनकर नहीं रह सकता, बल्कि इसे एक ऐसे "मंच" में बदलना होगा जहां मतभेदों पर बहस हो, अधिकारों को अभिव्यक्ति मिले और सत्ता से तर्क के आधार पर संवाद हो।

राष्ट्रीय सुरक्षा में जनभागीदारी जरूरी : सीडीएस चौहान

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के सीडीएस जनलर अनिल चौहान श्रीनगर गढ़वाल के दौरे पर पहुंचे हैं। सीडीएस ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि के चौरास परिसर में एनसीसी कैडेड द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर ग्रहण किया। वह अपनी पत्नी अनुपमा चौहान के साथ कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रक्षा स्टाफ प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल वर्दीधारी अधिकारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सामरिक सोच को जन–जन तक पहुँचाना समय की आवश्यकता है, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति व्यापक जन–जागरूकता विकसित हो सके। अपने उद्बोधन में सीडीएस ने कहा कि वे सदैव स्वयं को एक विद्यार्थी मानते हैं और जीवन में सरलता को अपनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा, सादगी ही जीवन में सबसे बड़ी तरक्की है।

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

शहर समता विचार मंच

(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)

सम्मान समारोह

दिन मंगलवार 24 फरवरी दुपहर 1 बजे से

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026

स्थान- 113ए, सारस्वत सभागार (अग्रसेन इण्टरमीडिएट कॉलेज के बगल में वैदिक ग्रीन सोसाइटी के सामने की गली में) लूकरगंज, प्रयागराज

डॉ.राहुल शुक्ल 'साहिल' को उनके नाटक 'कूड़े से करोड़पति' पर

वीरेन श्रीवास्तव को उनके गीत संग्रह 'मेरे गाँव की चिनमुनकी' पर

प्रो. रवि कुमार मिश्रा को उनके कहानी संग्रह 'रंग को तरसती तूलिका' पर

अभिनव सिन्हा को उनके उपन्यास 'समाज सिंघम' पर

डॉ.जी गणेशन मिश्र को उनकी अलोचनात्मक कृति 'आचार्य शुक्ल की भक्ति एवं समाज दृष्टि' पर

अध्यक्षता - वरिष्ठ साहित्यकार अनवार अब्बास नकवी

मुख्य अतिथि - डॉ. उषा मिश्रा

विशिष्ट अतिथि - डॉ. कल्पना वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार रंजन पाण्डेय

अध्यक्ष
के के गुप्ता

कार्यक्रम संयोजक
डॉ. प्रदीप चित्रांशी
संजय सक्सेना, अरविन्द पाण्डेय

संपादक एवं सचिव
उमेश श्रीवास्तव
प्रयागराज

कार्यालय - 289/238 ए, (अनंत भवन) कर्नलगंज, प्रयागराज 211002

यूपी में गोवंशों के परिवहन के लिए परमिट जरूरी नहीं, डीएम के आदेश को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश की सीमा के भीतर गोवंशों के परिवहन के लिए परमिट जरूरी नहीं है। उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत परमिट की अनिवार्यता केवल तभी लागू होती है, जब गोवंशों को राज्य की सीमा से बाहर ले जाया जा रहा हो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश की सीमा के भीतर गोवंशों के परिवहन के लिए परमिट जरूरी नहीं है। उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के तहत परमिट की अनिवार्यता केवल तभी लागू होती है, जब गोवंशों को राज्य की सीमा से बाहर ले जाया जा रहा हो। इसी के साथ कोर्ट ने गोवंशों के परिवहन के मामले में डीएम के वाहन जब्ती आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की पीठ ने मंजीत कुमार मौर्य की अर्जी पर दिया।

बलिया निवासी याची के वाहन को पुलिस ने 20 फरवरी 2025 को जिले की सीमा के भीतर रोका था, जिसमें एक गोवंश था। उसे बलिया से मऊ ले जाया जा रहा था। पुलिस ने इस मामले में गोवध निवारण अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया। इस आधार पर जिला मजिस्ट्रेट ने 21 जुलाई 2025 को संबंधित वाहन को जब्त करने का आदेश पारित कर दिया। इस फैसल को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि चूंकि गोवंश को राज्य के भीतर ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था, इसलिए यह किसी भी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है और न ही इसके लिए किसी परमिट की जरूरत थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि उत्तर प्रदेश गोवध निवारण नियमावली 1964 के नियम 16 के तहत केवल अंतरराज्यीय परिवहन के लिए ही परमिट का प्रावधान है। इसी के साथ कोर्ट ने जिला मजिस्ट्रेट के जब्ती आदेश को त्रुटिपूर्ण और अवैध मानते हुए रद्द कर दिया। साथ ही ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह वाहन को उसके पंजीकृत स्वामी के पक्ष में तत्काल मुक्त करे।

मेरठ पुलिस ने छह घंटे तक डेरा डाला, धमकी देकर 20 लाख वसूलने वाले दोनों दरोगा को किया गिरफ्तार

प्रयागराज। मेरठ टीपीनगर के धागा कारोबारी रासिक को हवाला कारोबार में फंसाने और एनकाउंटर करने की धमकी देकर 20 लाख रुपये वसूलने के आरोपी दरोगा लोकेंद्र साहू और महेश कुमार को शुक्रवार को धूमनगंज के कन्हईपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

मेरठ टीपीनगर के धागा कारोबारी रासिक को हवाला कारोबार में फंसाने और एनकाउंटर करने की धमकी देकर 20 लाख रुपये वसूलने के आरोपी दरोगा लोकेंद्र साहू और महेश कुमार को

शुक्रवार को धूमनगंज के कन्हईपुर से गिरफ्तार कर लिया है। मेरठ पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए करीब छह घंटे तक प्रयागराज में डेरा डाला था।

शुक्रवार दोपहर करीब बारह धूमनगंज पुलिस को मेरठ पुलिस से सूचना मिली कि लोहिया नगर थाने में तैनात दरोगा महेश कुमार व लोकेंद्र साहू की मोबाइल लोकशन कन्हईपुर में मिली है। दोनों एक मकान के कमरे में हैं। पांच पुलिसकर्मियों की टीम थाने पहुंचकर इलाके की जानकारी हासिल की। इसके बाद शाम करीब छह बजे दोनों को कन्हईपुर स्थित एक अधिवक्ता के मुंशी के कमरे से दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर करने पहुंचे थे। जहां देर शाम दोनों आरोपियों को मेरठ पुलिस अपने संग लेकर मेरठ लेकर रवाना हो गई। सात फरवरी को एफआईआर दर्ज होने के बाद से दोनों फरार चल रहे थे।

मेरठ लोहिया नगर थाने में तैनात दरोगा महेश व लोकेंद्र साहू ने टीपीनगर के धागा कारोबारी से पूर्व लिसाड़ी गेट थानाक्षेत्र के एक मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर 20 लाख रुपये ऐंठने का आरोप है। मेरठ टीपीनगर थाना क्षेत्र निवासी रासिक का लिसाड़ीगेट थाना क्षेत्र में कारोबार है। रासिक ने सात फरवरी को एसएसपी से लोहियानगर थाने में तैनात रहे दोनों दरोगाओं के खिलाफ एसएसपी अविनाश पांडे से शिकायत की थी। एसएसपी के निर्देश पर एसपी सिटी ने पूरे मामले की जांच की। जांच में दोनों दरोगा पर आरोप साबित होने पर लोहिया नगर थाने में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई। वहीं, धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि मामले की जानकारी मिली थी, कन्हई से पकड़ने की जानकारी मिली थी।

पान की खेती पर मौसम का असर, बढ़ गई तीन गुना कीमत

प्रयागराज। पान की खेती पर मौसम का असर पड़ा है। पिछले पखवाड़े तापमान में गिरावट आने से खड़कपुर में पान की खेती चौपट हो गई। इलाके के विभिन्न बाजारों के अलावा कछारी क्षेत्र के गांव में बड़े पैमाने पर पान की बिक्री होती है। बताया जाता है

कि इन दिनों साधारण पान की कीमत तीन गुना हो गई। पान कारोबारी ने बताया कि खड़कपुर के आसपास इलाके में तापमान गिरने से खेती खराब हो गई। वहीं ओडिशा में गुटखा की पाबंदी से पान पत्ते की कीमत बढ़ी है। जबकि प्रयागराज के गंगा पार के फाफामऊ, नवाबगंज, मऊआइमा तथा लाल गोपालगंज में ट्रकों से पान की खेप आता रहा। पान विक्रेता विकास श्रीवास्तव, पंचू लाल तथा अशर्फीलाल चौरसिया ने बताया कि एक पखवाड़े में पान की कीमत तीन गुना हो गई। एक ढोली में 70 से 80 पान रहता है। जिसकी कीमत पहले 50 से 60 रुपये थी। अब वही एक ढोली पान 240 से 270 रुपये हो गया है। कौड़िहार बाजार के रॉयल पान पैलेस के स्वामी शनि चौरसिया ने बताया कि फुटकर पान की कीमत बढ़ने से दिक्कत आ रही है।

कालिंदी एक्सप्रेस के जनरल कोच की खिड़कियों से रेलिंग गायब, सुरक्षा के नाम पर खिलवाड़

प्रयागराज। रेलवे एक तरफ हाईस्पीड और आधुनिक कोच का दम भर रही है, वहीं प्रयागराज से डॉ. अंबेडकरनगर एवं हरियाणा के भिवानी जाने वाली कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच यात्रियों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं।

रेलवे एक तरफ हाईस्पीड और आधुनिक कोच का दम भर रही है, वहीं प्रयागराज से डॉ. अंबेडकरनगर एवं हरियाणा के भिवानी जाने वाली कालिंदी एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच यात्रियों के लिए मुसीबत का सबब बने हुए हैं। ट्रेन में चमचमाते एलएचबी रेक तो लगा दिए गए हैं, लेकिन इसके जनरल कोच की अधिकांश खिड़कियों से सुरक्षा की 'रेलिंग' ही गायब है। हालात यह है कि बिना रेलिंग की खिड़कियां चोरों को दावत दे रही हैं। रेलिंग न होने से छोटे बच्चों के भी बाहर गिरने का खतरा रहता है।

ट्रेन में लगे कोच (255948/सी) की कुल 20 में से 13 खिड़कियों में एक भी रेलिंग नहीं है। चार आपातकालीन खिड़की को जोड़ लें तो यह संख्या 17 हो जाती है।रेलवे के नियमों के मुताबिक, केवल आपातकालीन खिड़की (इमरजेंसी विंडो) पर ही रेलिंग नहीं होनी चाहिए लेकिन यहां तो पूरी बोगी ही 'आपातकालीन' स्थिति में नजर आ रही है।

इसके अलावा एक अन्य कोच (255940/सी) में लगी 20 में से सात खिड़कियों की ही रेलिंग सही सलामत दिखी।

बाकी अन्य गायब हैं या फिर उनकी रेलिंग टेढ़ी–मेढ़ी या मुड़ गई हैं। ट्रेन के दूसरे रेक में लगने वाले जनरल कोच (255947/सी) की नौ खिड़कियों में रेलिंग नहीं थी। इसी तरह जनरल कोच (255082/सी) की भी नौ खिड़कियों की रेलिंग में सवालिया निशान थे।

कमजोर निकली खिड़की पर लगी रेलिंग

जानकारों और यात्रियों का कहना है कि पुराने आईसीएफ कोच में लगी रेलिंग के मुकाबले नए एलएचबी रेक की खिड़कियों में लगी रेलिंग कमजोर है। कुछ कोच में तो लोगों ने रेलिंग को मोड़ दिया है, जिससे खिड़की के बीच इतना गैप हो गया है कि कोई भी आसानी से हाथ डालकर मोबाइल या बैग उड़ा ले। यात्री खिड़की के सहारे ही कोच में घुसना चाहते हैं। बृहस्पतिवार को कालिंदी एक्सप्रेस से प्रयागराज पहुंचे राजेंद्र मिश्र नामक यात्री ने बताया कि रात में खिड़की खोलकर सोना खतरे से खाली नहीं है। इसी तरह चित्रकूट के दैनिक यात्री आरके पटेल ने बताया कि खिड़की में रेलिंग न होने से स्टेशन या आउटर पर ट्रेन रुकते ही झपट्टा मार गिरोह सक्रिय हो जाते हैं।

शीशे की जगह लगा रखी है प्लाई

कालिंदी और प्रयागराज–डॉ. अंबेडकरनगर की प्राइमरी मेंटेनेंस प्रयागराज जंक्शन पर ही की जाती है। हर रोज इस ट्रेन की जांच के बावजूद जिम्मेदार लोगों को यह समस्या अब तक नहीं दिखी। यह हाल तब है जब प्रयागराज में ही एनसीआर के जीएम एवं डीआरएम प्रयागराज का कार्यालय है। इतना ही नहीं ट्रेन के जनरल कोच की खिड़कियों में लगे शीशे के स्थान पर प्लाई लगा दी है। इस ट्रेन का रेक कालिंदी और डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस दोनों के लिए ही होता है।

एलएचबी कोच में सुरक्षा मानकों की ऐसी अनदेखी समझ से परे है। रेलिंग न होना सीधे तौर पर यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। इसे जल्द दुरुस्त किया जाना चाहिए। – रौनक गुप्ता, सदस्य, प्रयागराज जंक्शन यात्री सलाहकार समिति

कालिंदी एक्सप्रेस या प्रयागराज–डॉ. अंबेडकरनगर एक्सप्रेस के जनरल कोच में रेलिंग नहीं है तो जांच करवाई जाएगी। अगर कहीं कुछ कमी है तो उसे दुरुस्त किया जाएगा। – रजनीश अग्रवाल, डीआरएम प्रयागराज

अवैध हिरासत पर एक लाख मुआवजा, एसएचओ–आईओ को कोर्ट उठने तक हिरासत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ललितपुर के वित्तीय धोखाधड़ी मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट ने पाया कि आरोपी को 14 से 16 सितंबर 2025 तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया, जबकि औपचारिक गिरफ्तारी 17 सितंबर को दिखाई गई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ललितपुर के वित्तीय धोखाधड़ी मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट ने पाया कि आरोपी को 14 से 16 सितंबर 2025 तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया, जबकि औपचारिक गिरफ्तारी 17 सितंबर को दिखाई गई। सीसीटीवी फुटेज पेश न किए जाने और हिरासत की अवधि पर विरोधाभास सामने आने पर कोर्ट ने इसे अनुच्छेद–21 व 22 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन माना। साथ ही कोर्ट ने अवैध हिरासत पर एक लाख मुआवजा और एसएचओ–आईओ को कोर्ट उठने तक हिरासत में रखने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकल पीठ ने सानू उर्फ राशिद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अभियोजन के अनुसार आरोपी ने सहआरोपियों के साथ मिलकर लोनधारकों के नाम पर खाते खुलवाए और बजाज फाइनेंस लिमिटेड से स्वीकृत ऋण राशि उनमें ट्रांसफर कराई। आरोप है कि अधिकांश रकम निकाल ली गई और लोनधारकों को बहुत कम धन दिया गया। इसी मामले में आरोपी के खिलाफ कोतवाली ललितपुर में मुकदमा दर्ज किया गया था। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, ललितपुर के बार–बार आदेश के बावजूद 14–15 सितंबर 2025 के सीसीटीवी फुटेज पेश न करने पर कोर्ट ने सख्ती दिखाई। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों परमवीर सिंह सैनी और डीके बसु के निर्देशों का हवाला देते हुए एसएचओ व विवेचक को अवमानना का दोषी ठहराया। साथ ही दोनों को कोर्ट उठने तक हिरासत में रखने का आदेश दिया।

अदालत ने राज्य सरकार को अवैध हिरासत के लिए आरोपी को एक लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया, जिसकी वसूली जिम्मेदार अधिकारियों से की जा सकती है। साथ ही आरोपी को 15 लाख रुपये कंपनी को लौटाने की शर्त पर जमानत दी।

सार्वजनिक सुरक्षा किरायेदारों के अधिकार से ज्यादा महत्वपूर्ण, दो सप्ताह में गिराएं जर्जर भवन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब कोई इमारत जर्जर अवस्था में हो और उससे जनहानि का खतरा हो तो सार्वजनिक सुरक्षा किरायेदारों के अधिकारों से ऊपर मानी जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि जब कोई इमारत जर्जर अवस्था में हो और उससे जनहानि का खतरा हो तो सार्वजनिक सुरक्षा किरायेदारों के अधिकारों से ऊपर मानी जाएगी। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने वाराणसी नगर निगम को आदेश दिया है कि वह इंग्लिशिया लाइन स्थित मुक्तेश्वर महादेव मुक्तेश्वरी दुर्गा धर्मार्थ सेवा समिति के जर्जर भवन को दो सप्ताह के भीतर ध्वस्त करे। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने दिया है।

वाराणसी के इंग्लिशिया लाइन स्थित भवन को नगर निगम ने तीन अगस्त 2021 को ही असुरक्षित घोषित कर दिया था। लंबे समय से किरायेदारों की मौजूदगी और दीवानी मुकदमों के कारण कार्रवाई रुकी हुई थी। इसी बीच 29 अगस्त 2025 को इमारत का एक हिस्सा गिर जाने से सार्वजनिक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो गया। याची मुक्तेश्वर महादेव मुक्तेश्वरी दुर्गा धर्मार्थ सेवा समिति और अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर जर्जर भवन को ध्वस्त करने की मांग उठाई।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 के तहत नगर आयुक्त के पास किसी भी खतरनाक इमारत को गिराने की पूर्ण शक्ति है। अदालत ने साफ किया कि एक बार जब इमारत आधिकारिक तौर पर खतरनाक घोषित हो जाती है तो वहां रहने वाले सभी लोग उसे खाली करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य हैं।

कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश नगरीय परिसर किरायेदारी विनियमन अधिनियम 2021 किरायेदारों को सुरक्षा जरूर प्रदान करता है, लेकिन यह कानून खतरनाक इमारतों को गिराने की सरकारी शक्तियों को सीमित नहीं कर सकता। हालांकि, मानवीय आधार पर कोर्ट ने यह निर्देश भी दिया कि मकान में रहने वाले लोगों को अपना सामान निकालने का उचित अवसर दिया जाना चाहिए।

कोर्ट ने दो सप्ताह के भीतर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया पूरी करने और पुलिस प्रशासन को कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त बल उपलब्ध कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ध्वस्तीकरण के बावजूद किरायेदारों के अन्य कानूनी अधिकार सुरक्षित रहेंगे, लेकिन वे ध्वस्तीकरण में देरी का आधार नहीं बनेंगे।

कंपोजिट विद्यालय में ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी

प्रयागराज। परिषदीय कंपोजिट विद्यालय बाबूगंज में चोरों ने चौनल का ताला तोड़कर प्रिंटर, इन्वर्टर, बैटरी, गैस सिलिंडर और छात्रों के भोजन के लिए रखे थाली–गिलास सहित अन्य सामग्री चोरी कर दी। घटना से प्रधानाध्यापिका और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया, जबकि पुलिस की ठोस कार्रवाई नहीं होने से सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

पहले चटक धूप और अब छाए बादल से गेहूं और सरसों की फसल पर संकट के बादल मंडराए

प्रयागराज। फरवरी के तीसरे पखवाड़े में मौसम के बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। दो दिन पहले तक अचानक बढ़े तापमान ने गेहूं की फसल, विशेषकर पछेती बोआई वाली फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी थी।

फरवरी के तीसरे पखवाड़े में मौसम के बदले मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। दो दिन पहले तक अचानक बढ़े तापमान ने गेहूं की फसल, विशेषकर पछेती बोआई वाली फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका पैदा कर दी थी। शुक्रवार को आसमान में छाए बादलों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि अगर बारिश हुई तो खेतों में तैयार गेहूं और सरसों के साथ ही आलू की फसल को भारी नुकसान पहुंच सकता है। आसमान में छाए बादलों ने बारिश की

संभावना को भी प्रबल कर दिया है। अगले दो दिनों में बारिश की संभावना जताई जा रही है। जनपद में इस बार लगभग दो लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गेहूं की बोआई की गई है। हालांकि, सर्दी का सीजन बेहतर होने से अब तक फसल की पैदावार काफी बेहतर दिख रही थी, लेकिन अचानक चटक धूप और अब आसमान में छाए बादलों ने किसानों को परेशानी में डाल दिया है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, फरवरी का महीना गेहूं के लिए सबसे संवेदनशील होता है। क्योंकि, इस समय दाने भरने की प्रक्रिया शुरू होती है। अगेती गेहूं की फसल वर्तमान में तकरीबन तैयार हो चुकी है और बालियां निकलने लगी हैं। ऐसे में अगर बारिश हुई तो गेहूं और सरसों की फसल खेत में ही बिछ जाएंगी। गंगा और यमुना पार में तो कई गांवों में सरसों की कटाई भी शुरू कर दी गई है।

प्रयागराज में गंगापार और यमुनापार को मिलाकर तकरीबन दो लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्रफल में गेहूं की पैदावार की जाती है। गेहूं के साथ–साथ इस वक्त आलू की फसल भी तैयार हो रही है लेकिन बारिश से इसकी फसल को नुकसान पहुंच सकता है। विशेष रूप से बारिश होने पर आलू में फंगस लगने की संभावना बढ़ जाती है। – पवन कुमार विश्वकर्मा, उप कृषि निदेशक, प्रयागराज

डीएलएड अभ्यर्थियों को बड़ा झटका हाईकोर्ट ने कहा– फिसड्डी शिक्षकों के हवाले नहीं कर सकते बच्चों का भविष्य

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन (डीएलएड) के उन अभ्यर्थियों को बड़ा झटका दिया है, जो एक ही विषय में तीन बार फेल होने के बाद चौथे अवसर (अतिरिक्त मौके) की मांग कर रहे थे। कोर्ट ने कहा कि मासूम बच्चों का भविष्य फिसड्डी शिक्षकों के हवाले नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना राज्य का सांविधानिक दायित्व है। यदि बार–बार फेल होने वाले अभ्यर्थियों को नियमों के विरुद्ध जाकर शिक्षक बनने का मौका दिया गया तो यह उन मासूम बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होगा, जिन्हें ये पढ़ाएंगे। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने राज्य सरकार की स्पेशल अपील को स्वीकार कर लिया। साथ ही एकल पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें तीन बार फेल हो चुके छात्रों को अतिरिक्त मौका देने का निर्देश दिया गया था।

गौरतलब है कि डीएलएड कोर्स के नियमों के मुताबिक, यदि कोई प्रशिक्षु किसी एक विषय में तीन बार अनुत्तीर्ण होता है तो उसका प्रशिक्षण समाप्त मान लिया जाता है। हालांकि, सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने 2021 और 2022 में कुछ छात्रों के प्रत्यावेदन पर उन्हें विशेष अवसर देते हुए परीक्षा में बैठने की अनुमति दी थी।

इसके बाद ऐसे सैकड़ों छात्रों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। समानता के आधार पर उन्होंने भी अतिरिक्त अवसर की मांग की थी। उनकी इस मांग को एकल पीठ ने स्वीकार करते हुए परीक्षा में अतिरिक्त अवसर देने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने खंडपीठ के समक्ष स्पेशल अपील दाखिल की थी। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि प्रशिक्षुओं को पहले ही पर्याप्त अवसर दिए जा चुके थे। शिक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव के पास नियमों को शिथिल करने की कोई कानूनी शक्ति नहीं है। किसी भी सरकारी आदेश के जरिये उन वैधानिक नियमों को नहीं बदला जा सकता जो केंद्र और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने निर्धारित किए हैं। नियम विरुद्ध दिए गए पिछले मौकों को आधार बनाकर नए अधिकारों की मांग करना वैधानिक रूप से गलत है।

समानता के आधार पर अवैध लाभ की मांग उचित नहीं

कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यदि अधिकारियों ने पूर्व में कुछ छात्रों को नियमों के विरुद्ध जाकर अवैध लाभ दे दिया था तो अन्य छात्र भी उसी अवैध लाभ की मांग नहीं कर सकते। समानता का अधिकार केवल कानूनी और वैध कार्यों के लिए होता है, अवैध कार्यों को दोहराने के लिए नहीं। कोर्ट ने कहा कि एनसीटीई के नियम राज्य के किसी भी कार्यकारी आदेश से ऊपर हैं। इसके मुताबिक दो साल का यह कोर्स अधिकतम तीन साल में पूरा होना अनिवार्य है। सचिव के पास इस समय सीमा को बढ़ाने या अतिरिक्त मौका देने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है।

झोपड़ी में लगी आग से गृहस्थी राख, बुझाने में युवक झुलसा

प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के करनाईपुर उर्फ यासीनपुर गांव में बुधवार देर रात अज्ञात कारणों से एक झोपड़ी में आग लग गई। ससे गृहस्थी का सारा सामान जल गया। आग बुझाने में युवक के दोनों हाथ झुलस गए। गांव के लल्लू राम बिंद झोपड़ी बनाकर निवास करता है। बुधवार देर रात अचानक झोपड़ी में आग लग गई। आग की लपटें उठती देख परिजन और उसका पुत्र रवि शोर मचाने लगे। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। इस दौरान रवि के दोनों हाथ झुलस गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने जांच–पड़ताल की।

एनयूजे प्रयागराज ने प्रशासनिक अधिकारियों को भेंट किया वार्षिक कैलेंडर

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया (एनयूजे) प्रयागराज जिला इकाई के पदाधिकारियों ने आज विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर संगठन का वार्षिक कैलेंडर भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात कर संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया।

इसके पश्चात एसडीएम सदर अभिषेक सिंह, अपर जिला अधिकारी प्रशासन पूजा मिश्रा, अपर जिला अधिकारी नगर सत्यम मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय तथा सहायक सूचना अधिकारी गगन यादव से भी मुलाकात की गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए सकारात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। एनयूजे प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकारों की समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव महामंत्री अखिलेश शुक्ला उपाध्यक्ष मधुर दरबारी उपाध्यक्ष सुशांत त्रिपाठी उपाध्यक्ष धमेंद्र श्रीवास्तव मनोज कुमार कोषाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास्तव सदस्य सलाहकार समीति देवेंद्र शुक्ला मंत्री अमित श्रीवास्तव मंत्री आनन्द कुमार निषाद फोटो जर्नलिस्ट सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

रोजगार सेवक संघ ने लोकपाल को दिया ज्ञापन

प्रतापगढ। लोकपाल प्रतापगढ समाज शेखर से उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के सदर ब्लाक के अध्यक्ष लोकेश पटेल ने कार्यालय में मुलाकात करके अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में आपत्ति जताई गई है कि ग्राम रोजगार सेवक के कई माह से लंबित मानदेय का प्राथमिकता पर भुगतान न किये जाने तथा प्रशासनिक मद के धनराशि से कम्प्युटर आपरेटर, लेखा सहायक एवं अन्य भुगतान प्राथमिकता पर किये जाने पर आपत्ति जताई है। लोकपाल ने उक्त मामले को उपायुक्त मनरेगा को नियमानुसार समाधान हेतु प्रेषित करने निर्णय लिया।

लोकपाल समाज शेखर ने लक्ष्मणपुर ब्लाक के उमरपुर ग्राम का किया निरीक्षण

सचिव व शिकायतकर्ता को 24 फरवरी को किया तलब

बिहार के बूढ़ेपुर ग्राम से आई शिकायत लोकपाल ने बी डी ओ को एक सप्ताह में निस्तारण का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल प्रतापगढ़ समाज शेखर ने लक्ष्मणपुर ब्लाक के उमरपुर ग्राम पंचायत में राम उजागिर मिश्र की शिकायत के क्रम में दोबारा स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर शिकायत कर्ता पुनः ग्राम में उपलब्ध नही मिले। वहीं लोकपाल ने प्रधान व ग्राम वासियों के साथ संदर्भित स्थलों का निरीक्षण व ग्राम वासियों से संवाद किया। सम्बन्धित ग्राम विकास अधिकारी व शिकायत कर्ता को 24 फरवरी को लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष व स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्दश दिया है। लोकपाल कार्यालय में 20 फरवरी को पंजीकृत डाक

द्वारा बिहार ब्लाक के बूढ़ेपुर ग्राम पंचायत के रमा शंकर मिश्र द्वारा प्रेषित शिकायत प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता से लोकपाल समाज शेखर ने वार्ता करके वस्तु स्थित पर संवाद स्थापित किया। तदोपरांत खंड विकास अधिकारी बिहार को एक सप्ताह के भीतर समाधान कर सूचित करने का निर्देश दिया। साथ ही सम्बन्धित सचिव को लोकपाल कार्यालय में यथाशीघ्र उपस्थित होकर शिकायत के सापेक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया।

लोकपाल समाज शेखर ने उमरपुर ग्राम के निरीक्षण के दौरान ग्राम के अति प्राचीन महत्व के स्थान का दर्शन किया। राम उजागिर मिश्र की शिकायत के सापेक्ष स्थलीय निरीक्षण किया गया। उपस्थित ग्राम वासियों ने बताया कि राम उजागिर शिकायत के आदी है। विकास कार्यो में रोडा बनते है। वहीं उनसे संपर्क का प्रयास किया गया उनका फोन नही उठा। उनके पुत्र के फोन पर प्रधान ने बात कराया परंतु स्थल पर वह भी गाँव के बाहर रहने के कारण उपस्थित नही हुए। लोकपाल ने ग्राम सचिव को निर्देश दिया कि शिकायत कर्ता के साथ 24 फरवरी को उपस्थित होकर अपना पक्ष व बयान प्रस्तुत करें अनुपालन हेतु बी डी ओ व अतिरिक कार्यक्रम अधिकारी को लोकपाल द्वारा निर्देशित किया गया है।

वैश्वीकरण ने भाषा एवं संस्कृति को अभूतपूर्व क्षति पहुँचाई – डॉ. चितरंजन कुमार

(गङ्गानाथ झा परिसर में विश्व मातृभाषा दिवस का आयोजन)

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय यूनिट 18 एवं 20 के संयुक्त तत्त्वावधान में विश्व मातृभाषा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सहायकाचार्य डॉ. चितरंजन कुमार ने अपने उद्बोधन में भाषा एवं संस्कृति की गिरती स्थिति पर चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने वैश्वीकरण को भाषा एवं संस्कृति को लीलने का कारण बताया। उन्होंने भाषा को बचाने के लिए अपनी जीवनशैली में मातृभाषा समान्य बोलचाल में समाहित करने की बात रखी।

मैकाले की शिक्षा पद्धति को दोष देने की अपेक्षा अपनी भाषा एवं शिक्षा के प्रसार हेतु प्रबल प्रयास करने का आह्वान किया, साथ ही आजादी के 70 वर्षों के बाद भी मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के समकक्ष अन्य शिक्षा व्यवस्था न खड़े कर पाने पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए इस हेतु विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग के सहायकाचार्य डॉ. तेजप्रकाश चतुर्वेदी ने विश्वमातृभाषा दिवस के आयोजन को सार्थक बताते हुए इसे अपनी मातृभाषा के प्रति अनुराग व्यक्त करने का अवसर बताया।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सांख्यिकी विभाग के सहायकाचार्य डॉ. अभय पाण्डेय के निर्देशन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने एन.

एस.एस. तालियों के साथ परिसर के निदेशक सहित सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने भारतीय संस्कृति को विश्व की समस्त भाषाओँ को महत्व देने वाली संस्कृति बताई।

उन्होंने भारतीय संस्कृति को बहुलता को स्वीकार करने वाली संस्कृति बताई। उन्होंने अपनी संस्कृति एवं मातृभाषा के प्रति सम्मान का भाव रखने को महत्वपूर्ण बताया। इसके पूर्व उपस्थित छात्र–छात्राओं ने अपनी अपनी मातृभाषाओं में प्रस्तुतियाँ देकर आयोजन को सफल बनाया। छात्र शाश्वत ने मैथिल भाषा, शशांक ने तेलगू, विष्णु ने बुन्देलखण्डी बघेली, रोहित चन्द्र ने कुमाउँनी, परमेश्वर अग्रहरि ने भोजपुरी, शाश्वत पाण्डेय ने बज्जिका भाषाओं में अपनी प्रस्तुतियों द्वारा लघु भारत की उपस्थिति का आभास कराया।

परिसर की पुस्तकालयाध्यक्षा अश्विनी लंके ने अपनी मातृभाषा मराठी में अपनी प्रस्तुति दी। छात्र शैलेष ने अवधी भाषा में अपनी रचना प्रस्तुत की। परिसर के सहनिदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने मातृभाषा दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सभी उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं शिक्षक गणों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन पुरालिपि विभाग की अध्यक्षा प्रो. अपराजिता मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन परिसर के सहायकाचार्य अंकित मिश्र ने किया। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी राजेश कान्त तिवारी के अनुसार विश्वमातृभाषा दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के छात्र–छात्राओं सहित अन्य शिक्षकगण सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ. सुरेश पाण्डेय, डॉ. राजकुमार मिश्र, राजेशकान्त तिवारी उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक/एमसीएफ द्वारा वंदे भारत प्रोटोटाइप रेक का निरीक्षण, प्रारंभिक ट्रायल सफलतापूर्वक सम्पन्न

रायबरेली। श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, एमसीएफ ने दिनांक 20.02.2026 को कारखाना परिसर में वंदे भारत प्रोटोटाइप रेक का निरीक्षण किया। यह वंदे भारत परियोजना की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

निरीक्षण के दौरान कारखाना परिसर में प्रथम चरण के गति परीक्षण सम्पन्न किए गए। इस अवसर पर एमसीएफ के वरिष्ठ अधिकारीगण, मेसर्स सीमेन्ड्स के प्रतिनिधि तथा अन्य उद्योग सहयोगी उपस्थित रहे। ड्राइवर केबिन से प्रमुख ऑनबोर्ड प्रणालियों का परीक्षण किया गया।

सीमेंस की टीम द्वारा पैंटोग्राफ दृवीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) संचालन तथा उच्च वोल्टेज आदि का निरीक्षण किया गया। ये सभी क्रियाएं ड्राइवर डेस्क यूनिट (क्क्न) से सफलतापूर्वक संचालित की गईं, जिससे प्रणाली की समन्वित कार्यक्षमता एवं परिचालन तत्परता प्रदर्शित हुई।

एक लघु ट्रायल रन भी किया गया, जिसमें ट्रैक्शन, गति तथा ओवरहेड इक्विपमेंट (व्म्) से लिए गए करंट जैसे प्रमुख परीक्षण मानकों का अवलोकन किया गया। ट्रायल शेड से प्रारंभिक संचालन के दौरान रेक की गति को 10 किमी/घंटा की सीमित निर्धारित गति पर परीक्षण किया गया। ब्रेक प्रतिक्रिया, पैसेंजर एनाउंसमेंट एवं पब्लिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (च्।च्ै) की कार्यप्रणाली तथा ट्रैक्शन के दौरान प्रणाली के व्यवहार का भी परीक्षण किया गया। रेक का विस्तृत निरीक्षण भी किया गया, जिसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रकाश व्यवस्था का सत्यापन शामिल था। महाप्रबंधक महोदय ने प्रकाश व्यवस्था के समुचित एलाइनमेंट तथा विद्युत क्यूबिकल्स की वैक्यूम एवं मैग्नेटिक क्लीनिंग के माध्यम से गहन सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी धात्विक अवशेष को हटाकर उच्चतम सुरक्षा एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके। यह उपलब्धि एमसीएफ एवं उसके उद्योग सहयोगियों के बीच सुदृढ़ समन्वय एवं सहयोग का प्रतीक है, जो वंदे भारत परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर श्री विवेक खरे, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता (च्ब्डम्); श्री विजय, मुख्य विद्युत डिजाइन अभियंता (ब्म्क्); श्री अनुराग दत्त त्रिपाठी, सीडब्ल्यूई/फर्निशिंग; मेसर्स सीमेंस के श्री अनुराग गुप्ता; तथा आरडीएसओ के श्री अनुपम गुप्ता और विष्णु शंकर प्रसाद सहित सभी उद्योग सहयोगियों को उनके समर्पण, समन्वय एवं उत्कृष्ट टीमवर्क के लिए बधाई एवं धन्यवाद दिया।

दिनांक 12 फरवरी 2026 को आयोजित ट्रायल पूर्व निरीक्षण के दौरान मेसर्स सीमेंस के जर्मन अभियंता कृ श्री क्रिस्टोफ गोएट्ज़, सुश्री सैंड्रा स्पोंसेट एवं श्री सेबास्टियन शोएसर, पदमाकर डीके, सैत करकृ भी उपस्थित रहे तथा तकनीकी कार्यवाही में सक्रिय सहभागिता की।

यह ट्रायल एमसीएफ की अत्याधुनिक, उच्च गति वाली ट्रेनसेट के निर्माण हेतु उसकी प्रतिबद्धता, नवाचार क्षमता एवं उत्कृष्टता के प्रति समर्पण को पुनः स्थापित करता है।

यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय की स्वायत्तता (Autonomy) को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा वर्ष 2029 तक मिला विस्तार

प्रयागराज। यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय, प्रयागराज की स्वायत्तता को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024–2025 से 2028–2029 तक बढ़ा दिया गया है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. ए. एस. मोसेस ने दी। उन्होंने बताया कि स्वायत्तता विस्तार की प्रक्रिया वर्ष 2018 में प्रारंभ हुई थी, जो विभिन्न निरीक्षणों, मूल्यांकनों तथा आधिकारिक पत्राचार की अनेक चरणों से गुजरते हुए अंततः पूर्ण हुई। महाविद्यालय की स्वायत्तता के विस्तार से संबंधित यू जी सी द्वारा स्वीकृति पत्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव को संबोधित किया गया है जोकि महाविद्यालय को 20 फरवरी 2026 को प्राप्त हो चुका है। प्रो. मोसेस ने यह भी बताया कि यूजीसी द्वारा सत्र 2013–2014 से 2023–2024 तक की अवधि के लिए भी एक्स–पोस्ट फैक्टो (पूर्वव्यापी)स्वीकृति प्रदान की गई है। यूजीसी द्वारा इस पत्र के आने के पश्चात अब महाविद्यालय की स्वायत्तता को लेकर किसी भी प्रकार का कोई संशय या प्रश्न शेष नहीं है। 21 फरवरी 2026 को आयोजित महाविद्यालय की विद्वत परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए प्रो. मोसेस ने सभी हितधारकों को आश्वस्त किया कि सत्र 2025दृ2026 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ महाविद्यालय शैक्षणिक, आधारभूत संरचना तथा प्रशासनिक क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। विद्वत परिषद के सदस्य सचिव एवं संयोजक प्रो. जस्टिन मसीह ने विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और समन्वयकों का स्वागत किया तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को बनाए रखने और उसे उन्नत करने में उनके अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने परीक्षाओं, परिणामों, पाठ्यक्रम, परीक्षकों की नियुक्ति तथा नई परीक्षा नियमावली से संबंधित विषय विद्वत परिषद के समक्ष प्रस्तुत किए। विस्तृत चर्चा के उपरांत सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। प्रो. मसीह ने यह भी रेखांकित किया कि सत्र 2025दृ2026 से महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को लागू कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप संपूर्ण शैक्षणिक संरचना में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। बैठक में महाविद्यालय के शिक्षण एवं कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के हित में किए गए समर्पित प्रयासों के लिए विशेष प्रशंसा भी व्यक्त की गई। विद्वत परिषद की बैठक का शुभारंभ प्राचार्य प्रोफ़० मोज़ेज़ की प्रार्थना के साथ हुआ तथा प्रोफ़० जस्टिन मसीह के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समापन हुआ।

साथ फागुन का पाकर

(छप्पय)

वसंतिक उन्माद कहो मत पागलपन है।
पावन यह अंदाज प्रकृति का अल्हड़पन है।
जीवन का हर रंग समाहित खुद में करके।
भरती मधुर बयार अंक में जीवन भरके।
रौनकता के साथ में मादकता का रंग है।
जिसकी सुखन किताब का अंतिम पाठ उमंग है।।

अद्भुत है बदलाव कहा मौसम ने आकर।
हुई गुनगुनी धूप साथ फागुन का पाकर।
वृक्षों के कुछ पात अलग होकर वृक्षों से।
कहते जीवन सार सुनो इसको अच्छों से।
खेतों में सरसों खिली अमवारी में बौर हैं ध
कलियों का रसपान कर भौंरे मस्त विभोर हैं।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कथा वाचक विशाखा दुबे बृंदावन का शव न देने पर परिजनों का हंगामा, अस्पताल पर गंभीर आरोप

मिर्जापुर। जनपद के विंध्याचल थाना अंतर्गत देवरी की 24 वर्षीय कथा वाचक विशाखा दुबे की मृत्यु के बाद परिजनों में उस समय कोहराम मच गया जब अस्पताल प्रशासन ने करीब 20 घंटे तक शव सौंपने से इनकार कर दिया। घटना हरियाणा के गुरुग्राम स्थित च्वें भ्वेचपजंसे (सेक्टर 43) की बताई जा रही है।

परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान अस्पताल की लापरवाही के कारण विशाखा दुबे की हालत बिगड़ी और बाद में उनकी मृत्यु हो गई। इसके बाद जब परिवार ने पूरा बकाया बिल जमा कर दिया, तब भी अस्पताल प्रशासन ने शव देने में आनाकानी की। मृतका के परिजनों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा अतिरिक्त भुगतान की मांग की जा रही थी और औपचारिकताओं के नाम पर शव को रोके रखा गया। करीब 20 घंटे तक शव न मिलने से परिवार में भारी आक्रोश और शोक का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और परिजनों ने अस्पताल परिसर में विरोध जताया। परिजन अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही और अमानवीय व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन की ओर से आधिकारिक बयान आने की प्रतीक्षा की जा रही है। वहीं, परिजनों ने मामले की शिकायत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से करने की बात कही है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है और प्रशासन की भूमिका पर सबकी नजर टिकी हुई है।

रमणरेती में संत और श्रद्धालुओं ने जमकर खेली होली, अबीर गुलाल रंगों से सराबोर हुए श्रद्धालु

मथुरा। ब्रज की पावन धरती पर होली का रंग अब पूरी तरह चढ़ने लगा है शनिवार को गोकुल महावन के रमणरेती आश्रम में भव्य और पारंपरिक होली उत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। गुरुशरणानन्द संत–महात्माओं और श्रद्धालुओं ने मिलकर ऐसी होली खेली कि पूरा वातावरण रंग, भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। कार्ष्णि आश्रम के संत गुरुशरणानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस विशेष उत्सव में देश–विदेश से हजारों भक्त कान्हा की नगरी पहुंचे। जैसे ही संतों की टोली ने होली की शुरुआत की, वैसे ही अबीर–गुलाल और टेसू के रंगों की बारिश शुरू हो गई। आसमान तक रंगों से सतरंगी नजर आने लगा और हर ओर "राधे–राधे" और "होली है" के जयकारे गूंजने लगे। बताया जा रहा है कि इस आयोजन के लिए खास तौर पर दस हजार लीटर टेसू का रंग तैयार किया गया था। इसके अलावा छह क्विंटल अबीर–गुलाल, दो किलो चंदन और करीब सौ ग्राम केसर का भी उपयोग किया गया, जिससे पूरा परिसर सुगंधित और रंगीन हो उठा। रमणरेती आश्रम का यह वार्षिकोत्सव हर साल भव्य रूप में मनाया जाता है और संतों की टोली द्वारा खेली जाने वाली होली इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होती है। श्रद्धालु संतों के साथ झूमते, नाचते और भक्ति में लीन होकर होली का आनंद लेते नजर आए। इस दौरान फूलों की वर्षा की गई और रमणरेती की पवित्र रज के साथ भक्तों ने होली खेलकर खुद को धन्य माना। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन भी किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। साथ ही होली के पारंपरिक रसिया गीतों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। ढोल, मंजीरे और झांझ की धुनों पर श्रद्धालु झूमते रहे और उत्सव देर तक चलता रहा। कुल मिलाकर गोकुल की रमणरेती में आज खेली गई यह अनोखी और दिव्य होली ब्रज की सदियों पुरानी परंपरा की झलक दिखाती है। रंग, भक्ति और उल्लास से भरे इस आयोजन के साथ ही ब्रज में होली महोत्सव का विधिवत आगाज़ हो चुका है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 08/2026 दिनांकः 20.02.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उम0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्याः 19265376	मात्राः 301 नग
विवरणः 1- उपकरण आवरण/स्थान बॉक्स 2- नींव की खुदाई, ढलाई, क्योरिंग और उपकरण आवरण की स्थापना एवं निर्माण आदि।	
ई.म.डी.रूः 155820/-	निविदा खुलने की तिथिः 17.03.2026

नोटः 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओ हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। बेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 402/26 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय........

क्या 2027 में भी आम आदमी पार्टी पर पंजाबियों को भरोसा रहेगा?

2022 के विधानसभा चुनाव में पंजाबियों ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व पर बहुत भरोसा जताया और उसके उम्मीदवारों को रिकॉर्ड संख्या में जिताया। पंजाब के चुनावी इतिहास में यह पहली बार हुआ, जब एक ही पार्टी के 92 उम्मीदवार, वह भी ऐसी पार्टी, जिसकी लीडरशिप को किसी भी तरह से परखा नहीं गया था, जीत कर विधायक बने। इस तरह पंजाब में 'आप' की सरकार बनी और लोगों को उम्मीद होने लगी कि जल्द ही उनकी परेशानियां हल हो जाएंगी और 'आप' की गारंटी पूरी होने से उनकी जिंदगी आरामदायक हो जाएगी।क्योंकि 'आप' के मुखिया अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 22 के चुनाव से पहले पंजाब के लोगों को कई गारंटियां दीं और कई वादे किए थे। 'आप' सरकार ने जल्द ही लोगों को 300 यूनिट फ्री बिजली देने का अपना वादा पूरा किया और दावा किया कि 'आप' सरकार की वजह से पंजाब के 80 प्रतिशत लोगों का बिजली बिल जीरो हो गया है। लेकिन बाकी गारंटियां और वादे, जिसमें महिलाओं को 1000 रुपए प्रति महीना देना, बेअदबी के मामलों में 24 घंटे में इंसाफ, 3 महीने में नशा खत्म करना, वी.आई.पी. कल्चर खत्म करना, भ्रष्टाचार खत्म करके सरकारी खजाने में सालाना 34,000 करोड़ रुपए जमा करना, रेत माफिया को खत्म करके 20,00 करोड़ रुपए तथा शराब पॉलिसी के जरिए 20,000 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा करके पंजाब की आर्थिक हालत सुधार कर पंजाब को कर्ज के जाल से बाहर निकालना, सेहत और शिक्षा व्यवस्था को नंबर 1 पर लाना, कानून व्यवस्था सुधारने और पंजाब में बड़े पैमाने पर उद्योग लगाकर युवाओं के लिए रोजगार के मौके पैदा करने और विदेश जाने की जरूरत खत्म करने जैसे वादे किए गए थे। भगवंत मान सरकार इनमें से ज्यादातर गारंटियां और वादे पूरे करने में नाकाम रही, हालांकि युवाओं को सरकारी नौकरियां देने में काफी हद तक सफल रही लेकिन विपक्ष यह भी सवाल उठाता है कि सरकार यह क्यों नहीं बताती कि इन 4 सालों में कितने कर्मचारी रिटायर हुए हैं। सरकार के ये आंकड़े जारी न करने की वजह से विपक्ष का दावा है कि रिटायरमैंट दर 5 से 9 प्रतिशत है और आरोप है कि 'आप' सरकार ने उतने युवाओं को नौकरी नहीं दी, जितने रिटायर हुए हैं। इन्हीं वजहों से 2 साल बाद, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान 'आप' को 22 के मुकाबले बहुत कम रिस्पॉन्स मिला। इन चुनावों में 'आप' का वोट शेयर 41 से घटकर करीब 26 प्रतिशत रह गया और पार्टी के सिर्फ 3 उम्मीदवार ही जीत पाए, जबकि 'आप' के 2 उम्मीदवार आजाद के तौर पर चुनाव जीतने में कामयाब रहे। इसके अलावा, कुछ ही महीने बाद 2022 में भगवंत सिंह मान अपनी ही चुनाव क्षेत्र से आजाद उम्मीदवार सिमरनजीत सिंह मान से हार गए। इन चुनावों के नतीजों से सीख लेकर 'आप' ने आत्ममंथन शुरू किया और पार्टी के काम करने के तरीकों में भी बदलाव किए। उसने कई तरह के कैंपेन भी चलाए। इनमें पंजाब को एक मॉडल राज्य के तौर पर पेश करना, रैंग्यू डिपार्टमेंट पर शिकंजा कसना, बुलडोजर चलाना, महिलाओं को 1000 रुपए समेत बाकी गारंटियां और वादे पूरे करने का भरोसा दिलाना, पार्टी में अनुशासन लाना और अब ड्रग्स के खिलाफ मुहिम के अलावा और भी कई कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि इसी भरोसे की वजह से पार्टी को पिछले दिनों हुए उपचुनाव और स्थानीय चुनावों में कामयाबी मिली लेकिन इन जीतों को विधानसभा चुनाव जीतने की गारंटी नहीं माना जा सकता, क्योंकि अगर पंजाब के पिछले राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह साफ हो जाता है कि पंजाब के लोग भरोसा करने में तो माहिर होते हैं लेकिन जब उनके भरोसे पर थोड़ी–सी भी चोट लगती है, तो वे भरोसा छोड़ भी देते हैं, जिसके 2 हालिया उदाहरण हमारे सामने हैं। पहला, अकाली–भाजपा सरकार का बदलना। हालांकि पंजाबियों को अकाली–भाजपा सरकार के किए गए विकास से कोई एतराज नहीं था लेकिन धार्मिक मामलों में की गई गलतियों और ड्रग्स नियंत्रण के मुद्दे पर पंजाबियों को विरोध झेलना पड़ा, जिसकी वजह से अकाली दल और भाजपा को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इसी तरह, कांग्रेस सरकार, जो ड्रग्स खत्म करने, किसानों का कर्ज माफ करने और विकास के वादे की वजह से सरकार बनाने में कामयाब हुई थी, उसे भी पंजाबियों ने 2022 में बाहर कर दिया। लेकिन 'आप' की सरकार इन तीनों पार्टियों से ज्यादा और बड़े वादे करके आगे आई थी। अब पंजाबी फिर से सोचने लगे हैं।

राहुल को मारने के खतरनाक मंसूबे

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पांच महीने में दूसरी बार जान से मारने की धमकी सरेआम दी गई है। पिछले साल सितंबर में केरल के पूर्व अभाविप नेता पिंटू महादेव ने एक लाइव टीवी विमर्श में राहुल गांधी की हत्या की धमकी दी थी और अब महाराष्ट्र में फिर से राहुल गांधी को ऐसी ही एक और धमकी करणी सेना के एक कार्यकर्ता ने दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि धमकी बाकायदा वीडियो बनाकर प्रसारित की गई है। धमकी देने वाला व्यक्ति सरेआम कह रहा है कि राहुल गांधी को घर में घुसकर मारूंगा और अपना दुस्साहस भी दिखा रहा है कि मुझे जेल भेजना हो तो भेज दो। क्योंकि वो भी जानता है कि उसका बाल भी बांका नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले राहुल को धमकी देने वाले पिंटू महादेव के खिलाफ भी कांग्रेसियों ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, साथ ही 29 सितंबर 2025 को एक पोस्ट में लिखा था कि यह कोई आकस्मिक टिप्पणी या अतिशयोक्ति नहीं है। यह न्याय की लड़ाई में हर भारतीय के साथ खड़े नेता को दी गई एक सोची–समझी और निर्मम जान से मारने की धमकी है। राहुल को विभिन्न अवसरों पर दी गई कई धमकियों में से यह नवीनतम धमकी भाजपा के इरादों पर गंभीर सवाल खड़े करती है– इस के बाद कांग्रेस ने पूछा था कि क्या यह राहुल गांधी के खिलाफ रची जा रही कोई बड़ी, भयावह साजिश है? क्या भाजपा आपराधिक धमकियों, हिंसा और यहां तक कि जान से मारने की धमकियों की राजनीति का समर्थन करती है? क्या भाजपा विपक्ष के नेता (जो संवैधानिक पद पर हैं) और अन्य विपक्षी नेताओं के खिलाफ हिंसा को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही है, जो उसके कुशासन के खिलाफ आवाज उठाते हैं? अपने बयान में कांग्रेस ने जो सवाल उठाए थे, वो काफी गंभीर हैं, क्या यह राहुल गांधी के खिलाफ कोई बड़ी साजिश का हिस्सा है और क्या भाजपा यानी मोदी–शाह की इसमें सहमति है। हालांकि कांग्रेस की शिकायत के बावजूद नेता प्रतिपक्ष की जान लेने की धमकी देने वाले इस व्यक्ति पर कोई कठोर कार्रवाई की गई हो, ऐसी खबर ज्ञात नहीं है। बहरहाल, राहुल को मिली ताजा धमकी पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने इसे देश में एक और गोडसे तैयार करने जैसा बताया है। पवन खेड़ा ने लिखा कि आरएसएस–भाजपा का गलियारा श्गोडसे फैक्ट्रीश बन गया है। राहुल गांधी और 25 सांसदों के खिलाफ तथाकथित करणी सेना द्वारा जारी की गई धमकी कोई छिटपुट घटना नहीं है। यह एक सोची–समझी और धूर्त योजना का हिस्सा है। सबसे पहले, किरण रिजीजू ने सार्वजनिक रूप से झूठ बोला और देश को गुमराह किया कि कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा में ओम बिड़ला को गाली दी। फिर, विभिन्न मंचों पर भाजपा सांसदों ने एक समान बात दोहराना शुरू कर दियारू कि राहुल गांधी श्भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतराश हैं। यह विपक्ष को बदनाम करने और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों–विशेष रूप से राहुल गांधी– के खिलाफ हिंसा को वैध ठहराने का एक सुनियोजित अभियान है। कट्टरपंथ का यही तरीका हैरू एक झूठ गढ़ते हैं, उसे बार–बार दोहराकर फैलाते हैं, राजनीतिक सत्ता के बल पर उसे वैधता प्रदान करते हैं, और तब तक उसका प्रसार करते हैं जब तक कि उनके अनुयायी घृणा और हिंसा के लिए उकसाए न जाएं। इसी तरह उस समय गोडसे का निर्माण हुआ था। इसी तरह आज एक और गोडसे को उकसाया जा रहा है। पवन खेड़ा ने पूरे हालात का सही चित्र खींचा है कि आज एक और गोडसे को उकसाया जा रहा है। क्योंकि 30 जनवरी 1948 से पहले गांधीजी के खिलाफ भी कई बेबुनियाद आरोप लगाकर उन्हें हिंदूविरोधी दिखाया गया था, जिसके बाद दक्षिणपंथी लोगों ने गांधीजी की हत्या की साजिश रची और नाथूराम गोडसे ने इस घृणित काम को अंजाम दिया। संघ और उससे जुड़े लोग अब भी इसे हत्या न कहकर गांधी वध कहते हैं। शब्दों के इस हेरफेर में भी बड़ी चालाकी है। वध और हत्या दोनों ही किसी के प्राण लेने की क्रियाएं हैं, लेकिन वध आमतौर पर न्याय, धर्म या समाज की भलाई के लिए किसी दुष्ट या अत्याचारी को मारने को कहते हैं (जैसे–कंस वध, महिषासुर वध) वध को नैतिक आधार दिया गया है। जबकि हत्या किसी निर्दोष, निहत्थे या सामान्य व्यक्ति को स्वार्थ, द्वेष या आपराधिक भावना से जान से मारना है। अब सोचिए किस चालाकी से गांधी वध शब्द का इस्तेमाल कर संघ गांधीजी को अत्याचारी या दुष्ट बताता है। प्रधानमंत्री बनने के बाद भले ही हर साल 30 जनवरी को मोदी राजघाट जाएं, लेकिन गोडसे का महिमामंडन करने वालों को आज तक सजा नहीं मिली है। याद कीजिए प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने गोडसे की तारीफ की थी, तो प्रधानमंत्री मोदी केवल इतना ही कह पाए थे कि उन्हें दिल से माफ नहीं करूंगा। लेकिन इससे ज्यादा मोदी कुछ नहीं कर पाए। अब राहुल गांधी के खिलाफ माहौल बनाने वालों पर भी मोदी सरकार कोई कार्रवाई करेगी, इसकी कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल इस बार बजट सत्र में राहुल गांधी समेत समूचा विपक्ष मोदी सरकार पर काफी भारी पड़ा है। पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब से लेकर एपस्टीन फाइल्स तक मोदी पूरी तरह घिर चुके हैं। इन मुद्दों पर न राहुल गांधी को सदन में बोलने दिया गया, न मोदी ने लोकसभा में आने की हिम्मत दिखाई। ऊपर से इल्जाम लगा दिया कि मोदी की जान को कांग्रेस की महिला सांसदों से खतरा था। इस बारे में खुद ओम बिड़ला ने ही बयान दिया था। इसके बाद विपक्ष पर किरण रिजीजू ने आरोप लगाया कि सांसदों ने ओम बिड़ला के कक्ष में बदतमीजी की और उनके साथ गाली–गलौच भी की। एक इंटरव्यू में रिजीजू ने कहा कि राहुल गांधी भारत की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक इंसान बन गए हैं। क्योंकि वह भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हैं। वह विदेश और देश में नक्सलियों, एक्स्ट्रीमिस्ट, विचारकों, जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों से मिलते हैं। अब सवाल ये है कि अगर राहुल गांधी देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, तो मोदी सरकार इंतजार किस बात का कर रही है।

राहुल पर अब तक कोई मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया है। मानहानि के तो ढेरों मुकदमे राहुल गांधी झेलते ही रहते हैं, एक मामला देशविरोधी गतिविधि का भी बन जाएगा। मगर बजाए कार्रवाई करने के, केवल जुबानी जमाखर्च से मोदी सरकार काम चला रही है।

जन आंदोलन से छिटपुट विरोध तक, ट्रेड यूनियनवाद का बदलता चेहरा

कमल मदीशेट्टी

12 फरवरी को केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच द्वारा बुलाया गया 'भारत बंद' संगठित श्रम की स्थायी ताकत को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी बंद के रूप में प्रस्तुत किया गया था। वास्तव में, इस दिन ने यह दिखाया कि राष्ट्रीय प्रभाव कितना कम हो गया है। यूनियन नेताओं ने बड़े पैमाने पर भागीदारी का दावा किया, लेकिन कई राज्यों से रिपोर्टों में अधिकांश शहरों में सामान्य व्यावसायिक गतिविधि, कई क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन का संचालन और केवल छिटपुट औद्योगिक व्यवधानों का वर्णन किया गया। कुछ ही इलाकों को छोड़कर, जहां यूनियनों के घने राजनीतिक और संस्थागत नैटवर्क हैं, दैनिक जीवन सामान्य रूप से चलता रहा। यह परिणाम कुछ गहरा दर्शाता है रू भारत का श्रम बाजार लंबे समय से अनौपचारिकता से आकार लेता रहा है और यह पैटर्न आज भी मजबूती से बना हुआ है। कामगारों का बहुत बड़ा हिस्सा, लगभग 85–90 प्रतिशत, अनौपचारिक रोजगार व्यवस्था में बना हुआ है, जिसमें औपचारिक फैक्टरी नौकरियों से जुड़ी सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता नहीं है। उद्यमों, ठेका व्यवस्थाओं और प्लेटफॉर्म–आधारित गिग रोजगार में हैं। ऐसे परिदृश्य में, पारंपरिक यूनियन मॉडल, जो बड़े कार्यस्थलों और पड़ता है, छोटे व्यवसाय एक दिन की कमाई खो देते हैं और आवश्यक सेवाएं विलंबित हो जाती हैं। दैनिक मजदूरों और ठेका कामगारों के लिए

साथ ही, हाल के श्रम बल सर्वेक्षण दिखाते हैं कि अधिकांश रोजगार प्राप्त व्यक्ति स्व–रोजगार वाले हैं, न कि नियमित वेतनभोगी, जो पारंपरिक यूनियनकृत कार्यबल की सीमितता को रेखांकित करता है। काम के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र सेवाओं, छोटे दीर्घकालिक सामूहिक सौदेबाजी पर आधारित है, कार्यबल के केवल सीमित हिस्से को छूता है। सामान्य नागरिकों के लिए, ऐसी हड़तालें अक्सर एकजुटता की बजाय असुविधा और आर्थिक नुकसान में बदल जाती हैं। यात्रियों को अनिश्चितता का सामना करना भागीदारी का मतलब आय खोना होता है। अस्पताल, परीक्षाएं और नियमित लेनदेन बाधित हो जाते हैं। बंद, जो कभी लोकतांत्रिक जुटाव का नाटकीय साधन माना जाता था, अब रोजमर्रा के जीवन में थोपी गई रुकावट के रूप में अधिक देखा जाता है। यूनियनों और व्यापक जनता के बीच बढ़ती खाई के कई कारक हैं। रोजगार संरचनाएं यूनियन रणनीतियों से कहीं अधिक तेजी से विकसित हुई हैं। अनौपचारिक और गिग कामगार पारंपरिक संगठन ढांचों में आसानी से फिट नहीं होते। यूनियन नेतृत्व अक्सर विरासती क्षेत्रों और सार्वजनिक उद्यमों में केंद्रित रहता है, जहां संस्थागत लाभ मजबूत है लेकिन प्रतिनिधित्व की चौड़ाई संकरी है। हड़ताल की मांगें अक्सर सुधारों का विरोध या निजीकरण का विरोध करने पर केंद्रित होती हैं, बिना वित्तीय रूप से व्यवहार्य या प्रशासनिक रूप से विश्वसनीय विकल्पों के। यह प्रतिक्रियावादी रुख बदलाव के प्रतिरोध का आभास दे सकता है बजाय रचनात्मक जुड़ाव के। वैश्विक व्यापार पर्यावरण तेजी से तनावपूर्ण हो रहा है, संरक्षणवादी प्रवृत्तियां फिर से उभर रही हैं और आपूर्ति श्रृंखलाएं पुनर्गठित हो रही हैं। फिर भी भारत ने मुक्त व्यापार समझौतों की एक श्रृंखला पूरी की है और खुद को विनिर्माण और सेवाओं के लिए तेजी से विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित किया है। जब सीमा–पार वाणिज्य अधिक अनिश्चित हो रहा है, भारत की नई व्यापार साझेदारियां हासिल करने की क्षमता अवसर और जिम्मेदारी दोनों दर्शाती है। देश इस औद्योगिक मोड़ पर चूक नहीं सकता, चीन को 3 दशक पहले इसी तरह का अवसर पकड़कर विश्व का कारखाना बनते देखने के बाद, जिसने सुधारों और वैश्विक एकीकरण के माध्यम से। जैसे–जैसे भारत मेक इन इंडिया जैसी पहल आगे बढ़ाता है और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में गहरी एकीकरण की तलाश करता है, कामगार कल्याण, कौशल, उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा के प्रश्न और अधिक केंद्रीय हो जाते हैं। लेकिन एक आधुनिक, वैश्विक रूप से जुड़ी अर्थव्यवस्था में वैधता गतिविधि रोकने की क्षमता पर कम और सुधारों को जिम्मेदारी से आकार देने की क्षमता पर अधिक निर्भर करती है। ट्रेड यूनियनों को अपनी नैतिक सत्ता मजबूत करने के लिए आधुनिक उदारीकरण से विस्तृत प्रस्तावों के साथ जुड़ना चाहिए, कौशल विकास, लाभों की पोर्टेबिलिटी, कार्यस्थल सुरक्षा और विवाद समाधान पर, बजाय अधिकतमवादी बंदों पर निर्भर रहने के। ट्रेड यूनियनों के सामने रणनीतिक विकल्प है। वे पुनर्मूल्यांकन कर सकते हैं, आगे देखने वाली मुद्रा अपना सकते हैं और राष्ट्रीय विकास में भागीदार बन सकते हैं, कामगार गरिमा की रक्षा करते हुए। या वे सिकुड़ते समूहों को जुटाने वाले प्रतीकात्मक बंदों के साथ जारी रह सकते हैं। पूर्ववर्ती मार्ग ही कामगार कल्याण को भारत के आर्थिक पुनरुत्थान के साथ संरेखित करता है। और भारत की आर्थिक यात्रा के इस मोड़ पर, वह संरेखण वैकल्पिक नहीं, आवश्यक है।

एलन गंज वाले नेता जी

'देखो अपने दोस्त से कह दो कि ये कल से मेरी दुकान पर न आए' – मित्र सुरेंद्र प्रसाद सिंह से मेरे लिए नेता जी ने कहा तो मैं भी भड़क गया और उसी लहजे में कह गया – 'आना तो छोड़िए, मैं तो इस सड़ी दुकान की तरफ को मुँह करके.......।'

हर जगह एक समय होती है।इलाहाबाद (वर्तमान में प्रयागराज)भी मेरे लिए ऐसा ही रहा।लगभग डेढ़ दशक बाद परिचित रास्तों से गुज़रना हो रहा है तो अतीत कदम–दर–कदम स्मृतियों के पन्ने पलट रहा है।

उन दिनों हमें विभिन्न सेमिनार, कार्यशालाओं के चलते लगातार और काफ़ी लंबे– लंबे समय तक इलाहबाद में रहना होता था। जाहिर है कि खाने–पीने का भी जुगाड़ बनाना ही पड़ता।खाने–पीने की यह खोज समाप्त हुई एलेन गंज के चाय वाले नेता जी और पंडिज्जी के पवन भोजनालय पर जाकर।कारण , ये दोनों ही हमारे ठहराव स्थल से एकदम करीब थे और क्वालिटी भी ठीक – ठाक।

नेता जी की चाय की दुकान एलन गंज की व्यस्ततम दुकानों में से एक थी।दुकान के अपने अनुशासन थे जो निरंतर आते रहने पर ज्ञात हो जाते थे , जैसे – मेज से बाहर पैर निकालकर नहीं बैठना है, अखबार पढ़ने के बाद पन्ने इधर – उधर बेतरतीब करके नहीं छोड़ना है, जग से सीधे पानी नहीं पीना है बल्कि गिलास का प्रयोग करना है, सुबह सुबह बड़ा नोट नहीं दिखाना है з.इसी तरह के और भी कई घोषित – अघोषित नियम कायदे।

नेता जी सुबह समयबद्धता से दुकान खोलते।साफ़–सफाई के बाद चिड़ियों को नमकीन खिलाते।अलस्सुबह हज़ारों चिड़ियों की चहकार से पता चल जाता कि खुल गयी है नेता जी की दुकान। इसके बाद दुकान के अंदर वाले हिस्से में रखे पोर्टेबल टीवी पर फुल वॉइस में पुराने फ़िल्मी गाने लगाते और शुरू हो जाता चाय, बंद मक्खन,ब्रेड मलाई का सिलसिला जो कि देर रात तक चलता।संगीत भी। मजाल क्या कि ग़लती से भी संगीत के अलावा कोई और चैनल लग जाए !

उस समय तक मैं दो–तीन बार ही नेता जी के यहाँ गया था।स्वाभाविक ही था कि वहाँ के नियम–कायदे भी नहीं सीखा पाया था तब तक।इसी अल्पज्ञता के चलते उस रोज़ पानी पीने को जैसे ही जग मुँह के क़रीब लाया कि नेता जी दौड़ते हुए आए और मेरे हाथ से जग छीनते हुए जाने क्या क्या कह गये।मेरे लिए उनका यह व्यवहार एकदम अप्रत्याशित था क्योंकि कारण से मैं पूर्णतःअनभिज्ञ था।मैं भी भड़क गया। स्थिति झगड़े की बन गयी और मैंने नेता जी की दुकान का बहिष्कार कर दिया।यह बहिष्कार महीनों तक चलता रहा।

घटना के कुछ समय बाद इलाहाबाद फिर से आना हुआ।मित्र सुबह जाते और चाय पीकर आ जाते।मैं बहिष्कार निर्वाह के चलते वहाँ न जाता।एक रोज़ मित्र ने मुझसे नेता जी के यहाँ चाय पीने चलने को कहा।मैं कतई राज़ी न था पर मित्र ने जोर देकर कहा – 'यार नेता जी रोज़ कहते हैं कि ग़लतफ़हमी के कारण गलती हो गयी है।अपने दोस्त को एकबार फिर लेकर आओ।आप चाय पीकर चले जाते हो, साथ में वो नहीं आते हैं तो मुझे अच्छा नहीं लगता।'

मित्र के निरंतर आग्रह पर मैं चल दिया और दुकान के बाहर जाकर खड़ा हो गया।नाराजगी अभी बाकी थी जिसका प्रदर्शन भी जरूरी था।हमें देखते ही नेता जी तुरंत दुकान से बाहर आए। बहुत आत्मीय भाव से हाथ में हाथ लेकर बोले – 'मुझे पता नहीं था कि आपको पता नहीं है कि हम जग से सीधे पानी नहीं पीने देते। हम उस दिन के लिए माफ़ी चाहते हैं । आपकी दुकान है रोज़ आइए,चाहे जैसे पानी पीजिए।कई दिन से आपके सभी दोस्त आते हैं , चाय पीकर चले जाते हैं।केवल आप ही नहीं आते।यह बात हमें बहुत पीड़ा देती है।'

नेता जी का यह एकदम उलट रूप था। इसमे कोरी दुकानदारी का भाव न था बल्कि गहन आत्मीयता शामिल थी। जो मोटे चश्मे के फ्रेम के पीछे डबडबाते नेत्रों और अवरुद्ध कण्ठ से प्रकट हो रही थी।नतीजा,सुलह हो गयी। रोज़ आना–जाना भी। क्रमशः परिचय के चलते यह भी पता चला कि मुग़ले आज़म नेता जी कि ऑल टाइम फेवरिट मूवी है और उसमें भी सर्वाधिक पसंदीदा गाना –'मोहे पनघट पे नन्द लाल छेड़ गयो रे।' पूरा दिन गाना सुनने के राज़ का पता चला कि वह इसलिए पुरा दिन पुराने गाने सुनते हैं कि न जाने कब यह गाना आ जाए। यह भी कि वृद्धावस्था के चलते श्रवण शक्ति कम होने के कारण वह टीवी फुल वॉल्यूम पर चलाते हैं।

धीरे – धीरे मित्रों से बातचीत के दौरान उन्हें पता चल गया कि मैं गाने का शौक रखता हूँ।एक रोज़ उन्होंने अपने पसंदीदा गाने की फरमाइश रख दी।शाम का वक़्त था। ग्राहक भी कम थे।मैंने गाना सुनाया।गाना सुनते हुए उनकी देहभाषा का रोमांच दर्शनीय था। भावपूर्ण मुद्रा में काँपते हाथों को परस्पर जोड़कर बोले–'जब आप आया करें तो एक बार यह गाना जरूर सुनाया करें'।गाने के प्रति यह नेता जी का विशेष लगाव ही था कि गाना सुनने के तुरत बाद डबल मलाई की ब्रेड खिलाते।यह क्रम बरसों तक चलता रहा।

इधर डेढ़ दशक बाद एलन गंज आना हुआ।संयोग से उन दिनों के कुछ पुराने साथी भी साथ थे।सुबह देर तक चिड़ियों की चहचहाहट सुनाई न दी तो लगा कि क्या सबेरा नहीं हुआ।समय देखा । सुबह के आठ बज चुके थे।तुरंत चाय पीने निकले।नेता जी की गद्दी पर बेटा विराजमान था।नेता जी के बारे में पूछने पर उसने दीवार में माला टँगी तस्वीर की ओर अंगुली उठा दी और मुँह में फँसे मसाले को थूकने अंदर चला गया।

दुकान का दृश्य एकदम बदल चुका था।मेजों पर तितरबितर फड़फड़ाते अखबार।मनमाने तरीके से खाते–पीते लोग। टीवी पर चलता हुआ –'डीजे वाले बाबू जरा गाना बजा दे।'

हर जगह एक समय होती है..

–डॉ०अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग
उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

कैसे भूलेगें भला, बचपन के दिन आज।
धीरे - धीरे जो गया, वक्त बजाता साज।।
वक्त बजाता साज, खो गया बचपन अपना।
जीवन में बस याद, बनी है अब तो सपना।।
रचना मुट्ठी रेत, फिसलती जाती जैसे।
देखे अपनी उम्र, गया यह बचपन कैसे।।

कैसे भूलेगें भला, मातु पिता बलिदान।
बच्चो के कारण सदा, गढ़ते जो प्रतिमान।।
गढ़ते जो प्रतिमान, बने संस्कारी अच्छे।
अवगुण से हो दूर, हमेशा जग में बच्चे।।
कहती रचना आज, तपे है सोना जैसे।
देते जो बलिदान, मातु पिता को भूले कैसे।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

खुद को खोना मंजूर नहीं तारा सुतारिया

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के कथित ब्रेकअप की चर्चाओं के बीच एक्ट्रेस ने अपनी मानसिक शांति, निजी स्पेस और निगेटिव माहौल से निपटने पर खुलकर बात की। तारा का कहना है कि वह फिल्मों से ज्यादा खुद को महत्व देती हैं और चाहती हैं कि उनकी लाइफ में संतुलन बना रहे। हाल ही में दोनों की अनुपस्थिति ने अफवाहों को और तेज कर दिया है। तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्म टॉक्सिक से ज़्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। लंबे समय से उन्हें वीर पहाड़िया के साथ सार्वजनिक जगहों पर न देखे जाने के बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें जोर पकड़ चुकी हैं। खासकर वीर के हालिया जन्मदिन पर तारा का न दिखना इन अटकलों को और बढ़ा गया। ब्रेकअप की चर्चाओं के बीच तारा ने एले इंडिया से बातचीत में अपनी मानसिक शांति और निजी स्पेस पर गहराई से बात की। उन्होंने कहा कि वह अपने करियर और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन बनाना बखूबी सीख चुकी हैं। तारा के मुताबिक, "सफलता का मतलब सिर्फ फिल्में नहीं, बल्कि मन की शांति है। मैं किसी भी दिन खुद को खोने के बजाय एक फिल्म खोना पसंद करूंगी।" एक्ट्रेस ने साफ शब्दों में बताया कि वह लोगों की बातों से प्रभावित नहीं होतीं क्योंकि हर बार अपनी सच्चाई दुनिया को बताना जरूरी नहीं। उनके लिए मायने रखता है कि वे और उनके करीबी लोग क्या जानते और महसूस करते हैं। "एक्टर होने पर आपके बारे में बहुत कुछ कहा जाता है, पर सच हमेशा आपके करीबियों के पास होता है," उन्होंने कहा। तारा और वीर पहाड़िया का रिश्ता 2025 की शुरुआत से सुर्खियों में था। दोनों कई इवेंट्स और आउटिंग्स में साथ देखे जाते थे और उनकी केमिस्ट्री फैंस को खासा पसंद आती थी। लेकिन हाल के महीनों में दूरी बढ़ने के संकेत मिलने शुरू हुए, जिससे अब यह चर्चा तेज हो गई है कि दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अभी तक इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। क्या है जिंदगी का मकसद? इल्ले इंडिया से बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा श्मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।श उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे–जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है। शांति की रक्षा करना सीखा तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, श्मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।श वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह हाल ही में खबरें आईं कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो क्लिप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था। ओरी ने शेयर किया वीडियो इसके बाद, ओरी ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें पहाड़िया, सुतारिया और एपी ढिल्लों को चीयर कर रहे थे। इस वीडियो को री–शेयर करते हुए पहाड़िया ने लिखा श्सच की हमेशा जीत होती है।श सुतारिया और पहाड़िया ने जुलाई 2025 में कई सोशल मीडिया पोस्ट के बाद अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो सुतारिया अपकमिंग फिल्म श्टॉक्सिकश में नजर आएंगी। यश स्टारर यह फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। पहले से ज्यादा शांत महसूस होता है– तारा इसी बीच श्एले इंडियाश के साथ एक इंटरव्यू में तारा ने अपने जीवन के इस नए अध्याय पर बात की। उन्होंने कहा कि अब वो पहले से कहीं ज्यादा शांति को महत्व देती हैं। उनके मुताबिक, कम उम्र में ये समझ नहीं थी कि खुद को सुरक्षित और मानसिक रूप से संतुलित कैसे रखा जाए, लेकिन वक्त के साथ उन्होंने यह सीख लिया है। आज वो शोर–शराबे से दूर, खुद के भीतर झांककर सुकून ढूंढने की कोशिश करती हैं। तारा ने बात करते हुए कहा, श्मैंने ये सीख लिया है कि अपनी मानसिक शांति की रक्षा कैसे करनी है। करियर को लेकर भी बोलीं तारा सुतारिया अपने करियर को लेकर भी तारा का नजरिया काफी साफ है। उन्होंने कहा कि उनके पेशेवर सफर की सबसे अहम बात ये रही है कि वो जरूरत पड़ने पर पीछे हटने से नहीं डरतीं। उन्होंने कई बार ऐसे प्रोजेक्ट्स को ठुकराया है, जो उनके मूल्यों या सोच से मेल नहीं खाते थे। तारा साफ शब्दों में कहती हैं कि वो किसी भी कीमत पर खुद को खोना नहीं चाहतीं। उनके लिए आत्मसम्मान और मानसिक संतुलन किसी भी फिल्म या मौके से बड़ा है। तारा बोलीं– मेरे करीबी मेरा सच जानते हैं उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें दूसरों को सफाई देने की जरूरत महसूस नहीं होती। जब तक उन्हें और उनके करीबी लोगों को सच्चाई पता है, वही काफी है। ये बयान उनके आत्मविश्वास और परिपक्वता को दर्शाता है। ब्रेकअप की चर्चाओं को त ब और हवा मिली जब तारा, वीर के जन्मदिन समारोह में नजर नहीं आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी कोई शुभकामना साझा नहीं की।

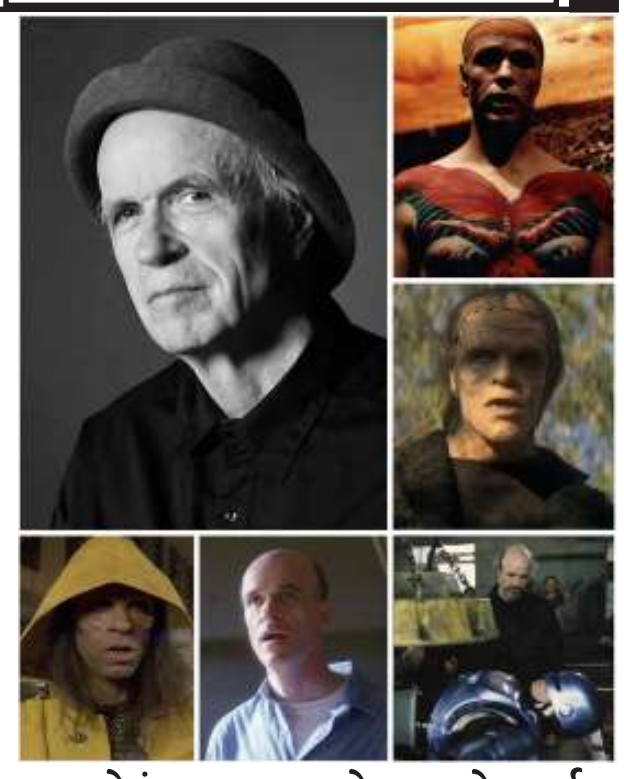

मनोरंजन जगत से सामने आई बुरी खबर, लास्ट एक्शन हीरो टॉम नूनन का 74 की उम्र में निधन

सिनेमा जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। हॉलीवुड के दिग्गज एक्ट्रेस और निर्देशक टॉम नूनन का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उन्होंने 14 फरवरी को अंतिम सांस ली। उनके निधन से अंतरराष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। एंटरटेनमेंट डेस्क. सिनेमा जगत से एक दुखद खबर सामने आई है। हॉलीवुड के दिग्गज एक्ट्रेस और निर्देशक टॉम नूनन का 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उन्होंने 14 फरवरी को अंतिम सांस ली। उनके निधन से अंतरराष्ट्रीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। टॉम नूनन के निधन की पुष्टि उनकी करीबी दोस्त और को एक्ट्रेस झंतमद ैपससें ने सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने भावुक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि टॉम ने वैलेंटाइन डे के दिन इस दुनिया को अलविदा कहा। उन्होंने यह भी लिखा कि 90 के दशक की शुरुआत में ऑफ–ब्रॉडवे प्ले ंिज भ्चचमदमक ... में उनके साथ काम करना उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुआ। कैरेन ने अपने संदेश में टॉम को एक बेहतरीन कलाकार और सच्चा दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि आज भी उनके अभिनय और सोच का प्रभाव उनके काम में झलकता है। बता दें, टॉम नूनन उन कलाकारों में गिने जाते थे, जिन्होंने अपने लंबे करियर में विविध और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर अलग पहचान बनाई। उन्होंने हॉलीवुड की चर्चित फिल्मों र्ैंज ।बजपवद भ्मतव और त्वइवब्वच 2 में दमदार भूमिकाएं निभाईं। खास तौर पर 'रोबोकॉप 2' में उनका निभाया गया रोबोकेन का किरदार दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुआ और आज भी याद किया जाता है। टॉम नूनन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1980 में आई फिल्म विल–पिल से की थी। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया। वह सिर्फ एक एक्टर ही नहीं, बल्कि लेखक और निर्देशक के रूप में भी सक्रिय रहे। उनके काम में गहराई और संवेदनशीलता साफ झलकती थी, जिस वजह से वे इंडस्ट्री में सम्मानित नाम बन गए।

विंटेज रेड गाउन में ग्लैमरस लुक से करीना कपूर ने चुराया सबका दिल, कातिलाना तस्वीरों पर आ जाएगा दिल

एक्ट्रेस करीना कपूर अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करना अच्छे से जानती हैं। कोई इवेंट हो या कैजुअल आउटिंग, करीना हमेशा अपने लुक को ऑन द टॉप रखती हैं। वहीं, हाल ही में एक्ट्रेस ने मुंबई में आयोजित 'द ऑनर्स' रेड कार्पेट इवेंट के लिए बेहद ग्लैमरस लुक कैरी किया, जिसकी तस्वीरें शेयर कर उन्होंने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। करीना की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। करीना कपूर के इस लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया है। उन्होंने करीना के लिए 1987 के विंटेज कलेक्शन से प्रेरित रेड पीएम गाउन चुना। यह फुल–लेंथ गाउन एक्ट्रेस की पर्सनालिटी के साथ पूरी तरह मेल खा रहा है। गाउन में स्ट्रैपलेस स्वीटहार्ट नेकलाइन और प्लंजिंग कट है, जो उनके लुक में एलिगेंस और बोल्डनेस तड़का लगा रहा है। बस्ट एरिया पर प्लीटेड क्रिस–क्रॉस डिटेलिंग ने डिजाइन को खास बना दिया। कॉर्सेटेड बॉडीस और स्ट्रक्चर्ड बोनिंग ने उनकी फिटनेस और कर्व्स को खूबसूरती से उभारा। ड्रेस की फिटिंग इतनी सटीक है कि वह उन पर बिल्कुल परफेक्ट लग रही हैं। फ्रंट में दिया गया थाई–हाई स्लिट आउटफिट में ग्लैमरस टच जोड़ रहा है। इस आउटफिट के साथ करीना ने रूबी और डायमंड जड़ा हुआ एक खूबसूरत चोकर पहना। हाथ में बड़ी डायमंड रिंग ने उनके लुक में रॉयल फिनिश एड की। फेदर्ड ब्रोज, म्यूट पिंक स्मोकी आईशैडो, हल्का रूज ब्लश और हाईलाइटर उनके चेहरे को ग्लोइंग बना रही है। ग्लॉसी वाइन रेड लिप्स ने पूरे लुक को परफेक्ट बैलेंस दिया। विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा से सजी पलकें उनकी आंखों की खूबसूरती को और निखार रही है। हेयरस्टाइल को उन्होंने स्लीक और क्लासिक रखा गया। बालों को सिल्की स्ट्रेट रखते हुए सेंटर पार्टिंग में खुला छोड़ा है। यानी ओवरऑल लुक में करीना बेहद ही कातिलाना लग रही हैं और फैंस का दिल जीत रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

रत्ना पाठक बॉलीवुड की उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं जो ना सिर्फ अपनी एक्टिंग की वजह से बल्कि अपने बेबाक बयान की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं.हाल ही में रत्ना ने इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने यंग एक्टर्स चौंकाने वाला आरोप लगा है. इतना ही नहीं आलिया भट्ट के बारे में भी काफी कुछ कहा है.रत्ना ने अपने इंटरव्यू में बताया कि सेट पर यंग एक्ट्रेसेज अक्सर क्या करने की कोशिश करती हैं.पिंकविला को दिए इंटरव्यू में रत्ना पाठक ने आलिया भट्ट के बारे में कहा,श्बहुत ही अटेंटिव है वो,तब मैंने जो नोट किया उनके बारे में. वो हमेशा मॉनिटर पर होती थीं. उस वक्त नहीं जब वो एक्टिंग कर रही होती थीं, लेकिन जब दूसरे एक्टिंग कर रहे होते हैं. वो बहुत ध्यान से ऑब्जर्व करती हैं. क्यूट बनकर बुरी परफॉर्मर बन जाती हैं आगे आलिया के बारे में बात करते हुए रत्ना पाठक ने कहा,श्वो बहुत बात नहीं करती थीं, जो की हैरान करने वाला था क्योंकि यंग एक्ट्रेसेज को हमेशा सेट पर क्यूट बनकर एंटरटेन करने की जरूरत महसूस होती है. उन्हें लगता है कि क्यूट बनने का दिखावा करना उनकी हेल्प करेगा।

बहुत बार तो ऐसा होता है कि इस तरह से पेश आकर वो बुरी परफॉर्मर बन जाती हैं. लेकिन आलिया ऐसी नहीं है.श सेट पर क्यूट बनकर एंटरटेन..श रत्ना पाठक ने खोली यंग एक्ट्रेसेस की पोल, आलिया भट्ट को लेकर कह डाली ये बात रत्ना पाठक की बातों से ऐसा लग रहा है कि उन्हें यंग एक्ट्रेसेज का ज्यादा क्यूट बनना बिल्कुल भी पसंद नहीं आता है.

फिल्म 'बावर्ची' की शूटिंग के दौरान राजेश खन्ना और जया बच्चन के बीच अमिताभ बच्चन को लेकर झगड़ा हो गया था, जिसके चलते कुछ समय के लिए फिल्म की शूटिंग भी रुक गई थी। दरअसल, एक्टर राजू श्रेष्ठ, जिन्हें मास्टर राजू के नाम से जाना जाता है, ने हाल ही में फिल्म 'बावर्ची' से जुड़ा किस्सा शेयर किया। इस फिल्म में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में काम किया था और उनके साथ राजेश खन्ना भी थे। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में राजू ने कहा कि यह घटना बहुत पुरानी है, इसलिए उन्हें पूरी बात साफ–साफ याद नहीं, लेकिन इतना याद है कि बहस के कारण शूटिंग रोकनी पड़ी थी। उनके अनुसार, झगड़ा अमिताभ बच्चन को लेकर हुआ था। जया जी, अमिताभ जी की अच्छी दोस्त थीं। और उस समय अमिताभ, ऋषिकेश मुखर्जी के भी करीब थे तथा उनके साथ फिल्म कर रहे थे। राजेश खन्ना को इस बात से परेशानी थी। 1972 की फिल्म "बावर्ची" में अमिताभ बच्चन पर्दे पर दिखाई नहीं देते हैं, लेकिन उन्होंने नरेटर की भूमिका निभाई है।

हर भारतीय किचन में धनिया और अजवाइन जरूर मिलता है। धनिया और अजवाइन में चमत्कारिक गुण पाए जाते हैं। यह मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोजाना अजवाइन और धनिया पानी के सेवन से क्या–क्या फायदा मिलता है।

हर भारतीय किचन में धनिया और अजवाइन जरूर मिलता है। धनिया और अजवाइन में चमत्कारिक गुण पाए जाते हैं। यह मसाले न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि कई बीमारियों और परेशानियों के लिए भी फायदेमंद होता है। धनिया और अजवाइन के पानी का रोजाना सेवन करने से बहुत लाभ होते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रोजाना अजवाइन और धनिया पानी के सेवन से क्या–क्या फायदा मिलता है।

धनिया और अजवाइन का पानी के फायदे

धनिया और अजवाइन का पानी स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। अजवाइन में एंटी–ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। इसके उपयोग से शरीर का मेटाबॉलिज्म ठीक होता है और वेट लॉस में मदद मिलती है।

वहीं धनिया में पाए जाने वाले गुण किडनी और पेशाब से जुड़ी परेशानियों के लिए फायदेमंद होता है।

कंट्रोल करें ब्लड शुगर

रोजाना धनिया–अजवाइन वाले पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर कंट्रोल होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी लाभकारी होता है।

दिल को रखें हेल्दी

रोजाना सुबह खाली पेट धनिया और अजवाइन वाले पानी का सेवन करने से दिल हेल्दी रहता है। यह शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

डाइजेशन में लाभकारी

धनिया और अजवाइन के पानी का सेवन करने से डाइजेशन दुरुस्त रहता है। इसमें पाए जाने वाले गुण डाइजेशन को सही करने और पेट से जुड़ी समस्याओं जैसे– कब्ज, एसिडिटी और अपच में फायदेमंद होते हैं।

रोजाना सुबह खाली पेट इस पानी के सेवन से पेट से जुड़ी परेशानियों में फायदा मिलता है।

यह पानी वेट कम करने में लाभकारी होता है। डिटॉक्स वॉटर का सेवन करने से शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा चर्बी तेजी से बर्न होती है। धनिया और अजवाइन में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट गुण मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है। वहीं वेट लॉस के लिए इस पानी का खाली पेट सेवन करना चाहिए।

डिटॉक्सीफाई होगी बॉडी

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए धनिया और अजवाइन से अच्छी और कोई ड्रिंक नहीं होती है। इसमें मौजूद गुण शरीर को डिटॉक्सीफाई करने के साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती है।

इम्यूनिटी बढ़ाए

धनिया और अजवाइन में मौजूद गुण से बॉडी को इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करता है। इसका सेवन रोजाना सुबह करना चाहिए। इससे शरीर के टॉक्सिन्स पदार्त बाहर निकल जाते हैं। यह स्किन को हेल्दी रखता है और स्किन संबंधी समस्याओं को दूर करता है।

बालों के लिए लाभकारी

इसके अलावा धनिया और अजवाइन के पानी का इस्तेमाल बालों के लिए भी लाभकारी होता है। क्योंकि अजवाइन और धनिया में कई ऐसे गुण पाए जाते हैं, इससे बाल लंबे, घने और मजबूत होते हैं। साथ ही बालों का झड़ना कम हो जाता है।

थायराइड का रामबाण इलाज

थायराइड के मरीजों को धनिया और अजवाइन का पानी रामबाण इलाज की तरह काम करता है।

ऐसे बनाएं धनिया–अजवाइन का पानी

धनिया–अजवाइन को पहले पानी में भिगो दें।

फिर इसको अच्छे से उबाल लें और छानकर सेवन करें।

आप चाहें तो धनिया–अजवाइन के पाउडर से भी पानी बना सकते हैं।

भ्वउम त्मउमकपमेरू रोजाना धनिया–अजवाइन का पानी पीने से मिलेंगे कई फायदे

धनिया और अजवाइन में चमत्कारिक गुण पाए जाते हैं। यह मसाले न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं, बल्कि कई बीमारियों और परेशानियों के लिए भी फायदेमंद होता है।

माइग्रेन की समस्या आजकल बहुत से लोगों में बढ़ रही है। यह एक ऐसी समस्या है जिसके कारण सिर के एक भाग में बहुत ज्यादा दर्द होता है और सिर का प्रभावित भाग दिल की तरह बहुत तेज धड़कता है।

माइग्रेन के कारण आंखें खोल पाना भी मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा कोई भी रोशनी आंखों में चुभने लगती है। ऐसी स्थिति में बहुत तेज सिरदर्द के अलावा, उल्टियां होना, तेज आवाज सह न पाना जैसे लक्षण दिखते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में माइग्रेन की समस्या होती है लेकिन महिलाओं को माइग्रेन क्यों होता है और इसके पीछे क्या कारण है। आज आपको यह बताएंगे आइए जानते हैं।

लगभग 15: आबादी को है माइग्रेन

जैसा कि हमने आपको बताया कि माइग्रेन एक तरह का गंभीर सिरदर्द है जो सिर की एक साइड से शुरु होता है। माइग्रेन के सिरदर्द में उल्टियां, बहुत ज्यादा चिड़चिड़ापन महसूस होता है। यह एक आम सिरदर्द है और लगभग 15: आबादी इससे जूझ रही है। माइग्रेन जेनेटिक्ल समस्या होती है और यह दर्द पीरियड्स के दौरान ज्यादा बिगड़ सकता है। महिलाओं और पुरुषों में इस बीमारी का रेशियो एक से तीन गुणा है।

किन महिलाओं को होती है यह परेशानी

यह शरीर में हार्मोन में बदलाव के कारण होती है और जो महिलाएं हार्मोनल गोलियां लेती हैं या हार्मोनल कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स का इस्तेमाल करती हैं उन्हें माइग्रेन का खतरा ज्यादा रहता है। शरीर में एस्ट्रोजन नाम का हार्मोन बढ़ने के कारण माइग्रेन सबसे का सबसे बड़ा कारण है। दुनियाभर में माइग्रेन की समस्या 18 से लेकर 49 साल की महिलाओं में ज्यादा होती है। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में माइग्रेन बार–बार होती है

माइग्रेन के कारण

महिलाओं में माइग्रेन के कई कारण हो सकते हैं जैसे

. अनहेल्दी लाइफस्टाइल
. खराब खान–पान
. स्ट्रेस
. स्मोकिंग
. एक्सरसाइज न करना
. एस्ट्रोजन की कमी

माइग्रेन से कैसे करें बचाव?

. माइग्रेन से अपना बचाव करने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं।
. जंक और ऑयली फूड्स से दूरी बनाएं।
. ज्यादा रोशनी या फिर तेज गाने न सुनें।
. कम से कम 7–8 घंटे की पूरी नींद लें। माइग्रेन से बचने के लिए जंक फूड्स और ऑयली फूड से दूरी बनाएं।
. रोजाना वर्कआउट और योग करें।

त्वचा संबंधी कई परेशानियां जैसे कील–मुंहासे, दाग–धब्बे और झाइयां चेहरे का निखार छीन लेती हैं। ऐसे में इन समस्याओं से निजात पाने के लिए महिलाएं क्या–क्या नहीं करती लेकिन यह समस्या दूर नहीं होती। खासतौर पर झाइयां एक ऐसी स्किन प्रॉब्लम है जिससे निजात पाने के लिए महिलाएं कई चीजें इस्तेमाल करती हैं लेकिन फिर भी यह समस्या कम नहीं होती। ऐसे में आज आपकी परेशानी दूर करते हुए इस आर्टिकल के जरिए डाइट और कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिनका इस्तेमाल करने से झाइयां दूर होगी।

क्यों होती है झाइयां?

झाइयां त्वचा पर एक्स्ट्रा पिगमेंट के साथ छोटे क्षेत्र होते हैं जो मेलेनिन से बने होते हैं। यह हार्मोन आपकी त्वचा के रंग पर निर्धारित करते हैं। यह धब्बे, टैन या हल्के भूरे रंग की दिखती हैं। यह चीकबोन एरिया पर नजर आते हैं। छोटे–छोटे दाग मिलकर स्किन पर एक पैच बना देते हैं। चेहरे पर झाइयां सबसे आम है लेकिन यह कंधों, बाहों, छाती या पीठ पर भी हो सकती हैं।

. हार्मोनल असुंतलन के कारण अधिकतर महिलाओं को गर्भावस्था के कारण झाइयां हो सकती है।
. ज्यादा देर तक धूप में रहने के कारण यह बढ़ सकती हैं क्योंकि यूवी किरणें चेहरे की कोशिकाओं को डैमेज करती हैं।
. शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण यह उभरने लगती हैं।
. चेहरे पर कैमिकल युक्त प्रोडक्टस का ज्यादा इस्तेमाल करने के कारण यह हो सकती है।
. ज्यादा तनाव और सोचने के कारण यह समस्या त्वचा पर होने लगती है।

कैसी डाइट लें?

आवंला

आंवला में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं ऐसे में झाइयां दूर करने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से आपका झाइंया दूर होगी। आंवला का रस, जूस या फिर बतौर सलाद आप इसे खा सकते हैं।

संतरा

संतरे में विटामिन–सी पाया जाता है ऐसे में इसका सेवन करने से भी झाइयों से आपको छुटकारा मिलेगा।

टमाटर

झाइयों से छुटकारा पाने के लिए आप टमाटर का सेवन कर सकते हैं। इसमें विटामिन–सी और जिंक पाया जाता है जो झाइयां दूर करने में मदद करेगा। सलाद, सूप और जूस के तौर पर इनका सेवन कर सकते हैं।

नींबू

नींबू शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। इसके अलावा नींबू में विटामिन–सी और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो खून साफ करने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। नियमित नींबू पानी का सेवन करने से झाइयां हल्की होने लगेगी।

घरेलू नुस्खे

जायफल

जायफल का इस्तेमाल झाइयां दूर करने के लिए कर सकते हैं। इसमें थोड़ा सा दूध डालकर झाइयों वाली जगह पर 15 मिनट के लिए लगाएं। इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको खुद फर्क दिखने लगेगा लेकिन यदि आपकी त्वचा बहुत सेंसिटिव है तो जायफल इस्तेमाल न करें।

ग्लिसरीन और लेमन जूस

15 मिलीलिटर ग्लिसरीन में 10 मिलीलिटर लेमन जूस मिलाएं। दोनों चीजों से बने मिश्रण के साथ चेहरे की मसाज 10–15 मिनट के लिए करें और लगाकर सो जाएं और अगले दिन सुबह उठकर चेहरा धो लें।

दही रोजाना दही से चेहरा धोने के साथ भी आपको फर्क दिखने लगेगा।

क्या आप उन लोगों में से हैं जिन्हें भाप से पकाया हुआ नाश्ता पसंद है? तो फिर इस आसान साउथ इंडियन पुट्टू रेसिपी को देखें जो आपके दिन की शुरुआत के लिए एक स्वस्थ और पौष्टिक विकल्प हो सकता है। हम आपके लिए घर पर इस स्वादिष्ट साउथ इंडियन व्यंजन को तैयार करने और अपने प्रियजनों के साथ इसका आनंद जरुर लें।

साउथ इंडियन व्यंजन अपने विविध प्रकार के स्वादों और अनूठे व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है। ऐसा ही एक प्रिय नाश्ता है पुत्तु, जो केरल का एक पारंपरिक व्यंजन है, लेकिन भारत के दक्षिणी राज्यों में इसे पसंद किया जाता है। पुट्टू चावल के आटे और कसा हुआ नारियल से बना एक पौष्टिक और पेट भरने वाला स्टीम्ड केक है। बस कुछ सरल सामग्री और बुनियादी उपकरणों के साथ, आप अपने आप को स्वादिष्ट नाश्ता दे सकते हैं जो आपको केरल के बैकवाटर या दक्षिण भारत की हलचल भरी सड़कों पर ले जाएगा। यह रेसिपी आपको शेफ संजीव कपूर के यूट्यूब चौनल पर आसानी से मिल जाएगी। इसकी मुलायम बनावट और मनमोहक सुगंध इसे स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के बीच पसंदीदा बनाती है। यहां, हम आपके लिए घर पर इस स्वादिष्ट साउथ इंडियन व्यंजन को तैयार करने और अपने प्रियजनों के साथ इसका आनंद जरुर लें। आइए बताते हैं इसकी आसान रेसिपी।

पुट्टू को कैसे बनाएं

– चावल के आटे को एक मिक्सिंग बाउल में लेकर पुट्टू रेसिपी शुरू करें। स्वादानुसार नमक डालें, आटे को उंगलियों से लगातार मिलाते हुए धीरे–धीरे इसमें पानी डालें। स्थिरता ऐसी होनी चाहिए कि जब आप मुट्ठी भर आटा पकड़ें और इसे दबाएं, तो यह अपना आकार बनाए रखे लेकिन आसानी से टूट जाए।

– दूसरे कटोरे में, कसा हुआ नारियल और चुटकी भर नमक मिलाएं। इससे नारियल का स्वाद बढ़ जाता है और पुट्टू में एक स्वादिष्ट स्वाद आ जाता है।

– पुट्टू मेकर की बेलनाकार ट्यूब लें। छिद्रित डिस्क को ट्यूब के नीचे रखें।

– ट्यूब पर बारी–बारी से चावल के आटे का मिश्रण और कसा हुआ नारियल डालना शुरू करें, अंत में ऊपर कसा हुआ नारियल की परत डालें। नारियल की परत पुट्टू को अच्छी सुगंध और स्वाद सुनिश्चित करती है।

–एक बार जब पुट्टू कुट्टी भर जाए, तो इसे उबलते पानी से भरे स्टीमर के ऊपर रखें। इसे लगभग 8–10 मिनट तक या जब तक पुट्टू पक न जाए और सख्त न हो जाए, तब तक भाप में पकाएं। (आप देखेंगे कि ट्यूब के ऊपर से भाप निकल रही है, जो दर्शाता है कि पुट्टू तैयार है।) – स्टीमर से बेलनाकार ट्यूब को सावधानीपूर्वक हटा दें। – तैयार पुट्टू को धीरे से प्लेट में निकाल लीजिए. 7. गरम पुट्टू को कडाला करी (काले चने की करी), मछली करी या चिकन करी के साथ परोसें। इन टिप्स को जरुर ध्यान में रखें –सुनिश्चित करें कि चावल के आटे का मिश्रण बहुत सूखा या बहुत गीला न हो। पुट्टू की सही बनावट प्राप्त करने के लिए सही स्थिरता महत्वपूर्ण है।

अभिषेक पर बरकरार रहेगा टीम प्रबंधन का भरोसा, अक्षर की वापसी तय! कुलदीप होंगे शामिल ?

अहमदाबाद,एजेंसी। ग्रुप चरण में अजेय रहने के बाद भारतीय टीम अब रविवार से टी20 विश्व कप में सुपर आठ चरण की शुरुआत करने उतरेगी। गत चैंपियन भारत का सामना अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिछले बार की उपविजेता टीम से होगा। हाल ही में दोनों टीमों के बीच द्विपक्षीय टी20 सीरीज भी हुई थी, लेकिन विश्व कप के अहम मोड़ पर आकर मुकाबला खेलना दोनों के लिए ही आसान नहीं रहना वाला है। इस बात की संभावना कम है कि इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम में कुछ बड़े बदलाव होंगे।

अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सुपर आठ चरण से पहले अभिषेक की खराब फॉर्म भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अभिषेक के खराब प्रदर्शन के बाद इस बात पर चर्चा बढ़ी है कि क्या भारत संजू सैमसन को मौका देगा? गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने स्पष्ट किया था कि अभिषेक को एकादश से बाहर करने पर ड्रेसिंग रूम में कोई चर्चा नहीं हुई है, लिहाजा इस बात की संभावना बेहद कम है कि अभिषेक की जगह सैमसन को मौका दिया जाए। अभिषेक के लगातार दो बार ऑफ स्पिनरों के हाथों आउट हुए हैं और इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम पावरप्ले में ऑफ–ब्रेक गेंदबाजी करने का फैसला करते हैं या नहीं। सुपर आठ में भारत को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है, लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है। टीम को इन दोनों ऑलराउंडर से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

भारत ने नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण के अंतिम मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल को आराम दिया था। उस मैच में अक्षर की जगह वॉशिंगटन सुंदर खेलने उतरे थे यह लगभग तय है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर प्लेइंग–11 में वापसी करेंगे। अक्षर की वापसी से यह तय है कि वॉशिंगटन को बाहर बैठना पड़ेगा क्योंकि टीम में पहले से ही हार्दिक और शिवम के रूप में दो ऑलराउंडर मौजूद हैं। पाकिस्तान के खिलाफ मैच को छोड़ दिया जाए तो भारत अब तक दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरा है। नीदरलैंड के खिलाफ मैच अहमदाबाद में ही हुआ था और

उस मैच में स्पिनरों को पिच से मदद मिली थी। ऐसे में भारतीय टीम एक अतिरिक्त स्पिनर को उतारने पर विचार कर सकती है। इस स्थिति में अर्शदीप सिंह को बाहर बैठना पड़ सकता है और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की प्लेइंग–11 में वापसी हो सकती है। कुलदीप पाकिस्तान के खिलाफ मैच में खेले थे। अगर भारत तीन स्पिनरों के साथ उतरा तो वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और कुलदीप स्पिन का जिम्मा संभालेंगे, जबकि जसप्रीत बुमराह एकमात्र विशेषज्ञ तेज गेंदबाज होंगे। वहीं, नई गेंद से हार्दिक पांड्या शुरुआत करेंगे।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग–11–

भारत– अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंहध्कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका– एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), रेयान रिक्लेटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, कगिसो रबाडा, एनरिच नॉर्त्जे, केशव महाराज।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले बढ़ी भारत की चिंता, हार्दिक के शॉट पर घायल हुआ ये तेज गेंदबाज

अहमदाबाद,एजेंसी। भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले के लिए अहमदाबाद में है। दोनों टीमों के बीच ये मैच 2024 विश्व कप के फाइनल की याद दिलाएगा। इस मैच की विजेता टीम सेमीफाइनल के लिए कदम आगे बढ़ाएगी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले भारत की चिंता बढ़ गई है। विश्व कप से पहले ही टीम खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही थी। जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा तबीयत खराब होने की वजह से एक मैच में नहीं खेल सके थे, जबकि हर्षित राणा को तो चोट के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर होना पड़ा था। हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को खेलने का मौका मिला था। सिराज अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में खेलने उतरे थे और उन्होंने तीन विकेट भी लिए थे। अब भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना है तो इससे पहले ही टीम के तेज गेंदबाज सिराज चोटिल हो गए हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अभ्यास के दौरान हार्दिक पांड्या के शॉट पर सिराज चोटिल हुए। गेंद सिराज के बाएं पैर के घुटने में लगी। सिराज इस दौरान दर्द में दिखे और लंगड़ाते हुए नेट्स से बाहर आए। भारतीय टीम प्रबंधन ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को ही ज्यादातर मैचों में मौका दिया है। शुक्रवार को अभ्यास के दौरान निगाहें अभिषेक पर रहीं। अभिषेक ने कोच गौतम गंभीर से लंबी मंत्रणा की। गंभीर उन्हें कई गुर देते नजर आए। बाद में उन्होंने कैच का अभ्यास किया और स्पिन गेंदबाजी भी की। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कहा कि अभिषेक को लेकर कोई खास चर्चा नहीं हुई है, लेकिन हम विश्व कप के अहम दौर से गुजर रहे हैं।

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने फील्डिंग पर दिया जोर, बोले- इस क्षेत्र में टीम को मेहनत करने की जरूरत

अहमदाबाद,एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम के लिए फील्डिंग चिंता का विषय रही है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने ग्रुप चरण में कुल नौ कैच टपकाए हैं। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का भी मानना है कि टीम को अपनी इस कमजोरी पर काम करने की सख्त जरूरत है। रविवार को सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच से पहले मोर्कल ने माना कि खराब फील्डिंग और कैच छोड़ने की वजह से बड़े मैचों में बाजी हाथ से फिसल सकती है। मोर्कल ने कहा, श्यह एक सही सवाल है। फील्डिंग पर हमें सबसे ज्यादा काम करने की जरूरत है। अच्छी फील्डिंग के दम पर हम दो रन और बाउंड्री को रोक सकते हैं। टूर्नामेंट के आखिरी फेज में कैच काफी अहम रोल अदा करने वाली है। कोई भी कैच आसान नहीं होता है और सभी खिलाड़ी इस पर काफी काम कर रहे हैं।श भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच ने माना कि दबाव भरे मैचों में मुश्किल कैच पकड़ने से पासा पूरी तरह से पलट जाता है। उन्होंने कहा, शानदार कैच पकड़ने की वजह से हम बल्लेबाजी कर रही टीम की लय को बिगाड़ सकते हैं। भारतीय टीम की फील्डिंग अब तक टूर्नामेंट में सवालों के घेरे में रही है। ग्रुप चरण के बाद सबसे ज्यादा कैच टपकाने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है।

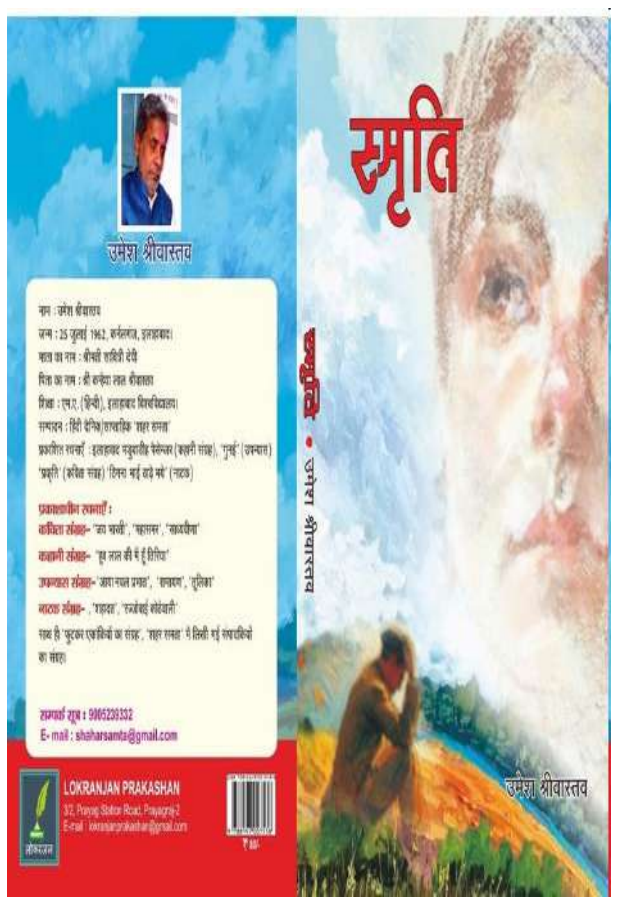

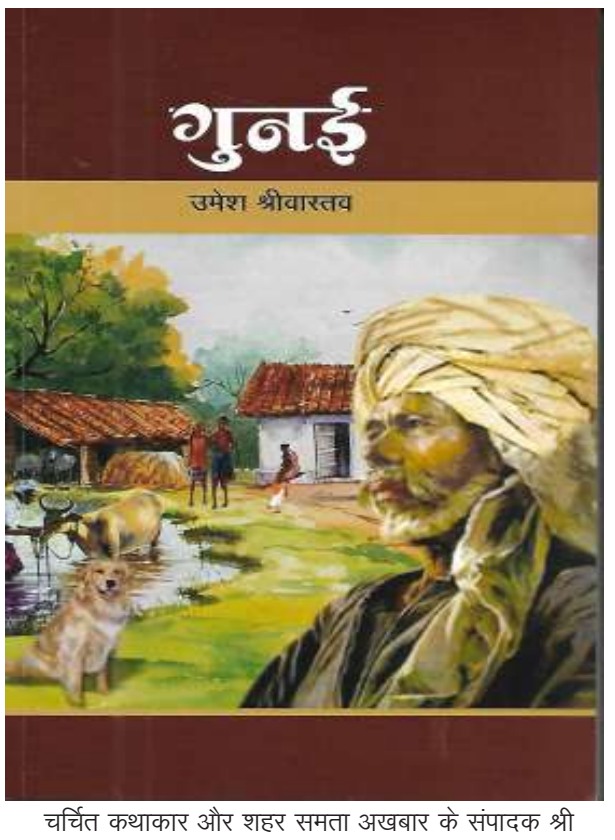

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

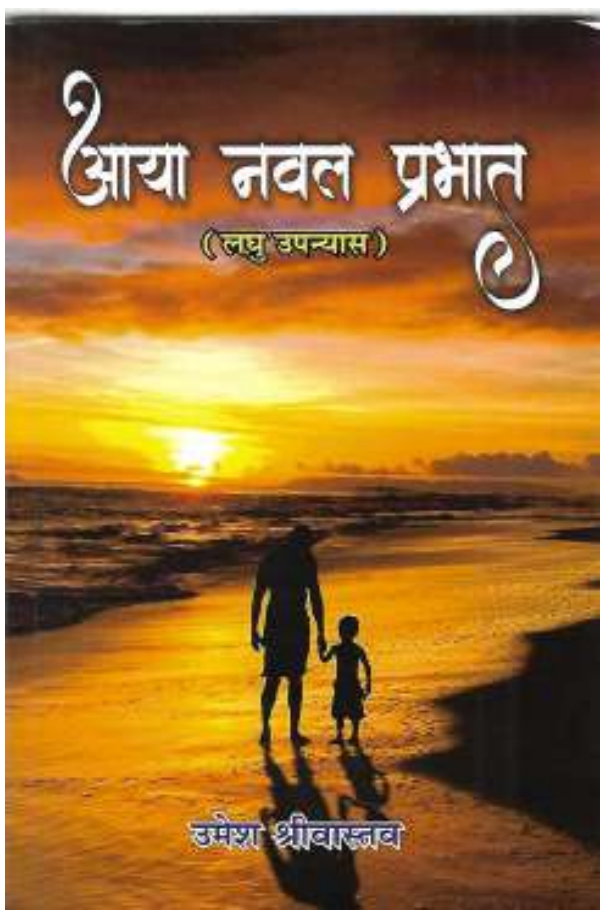

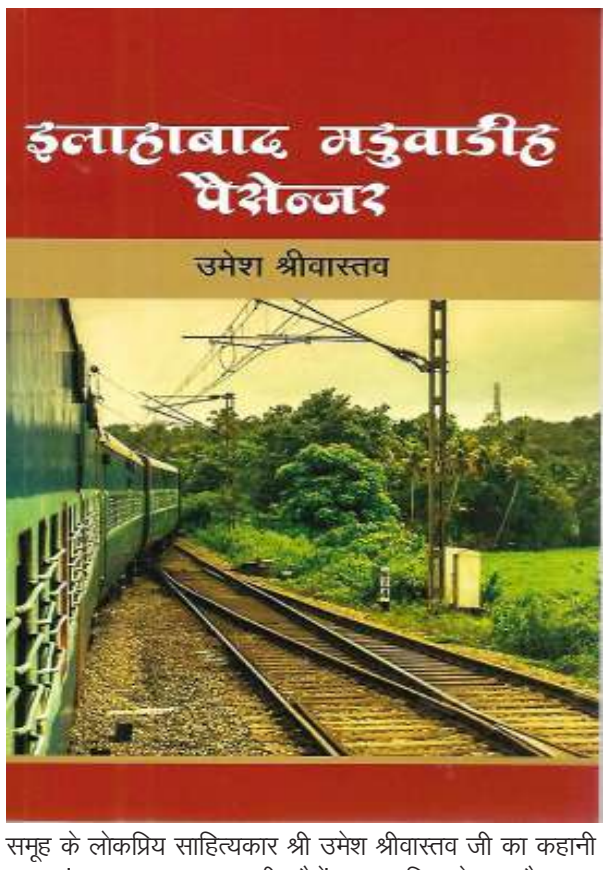

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

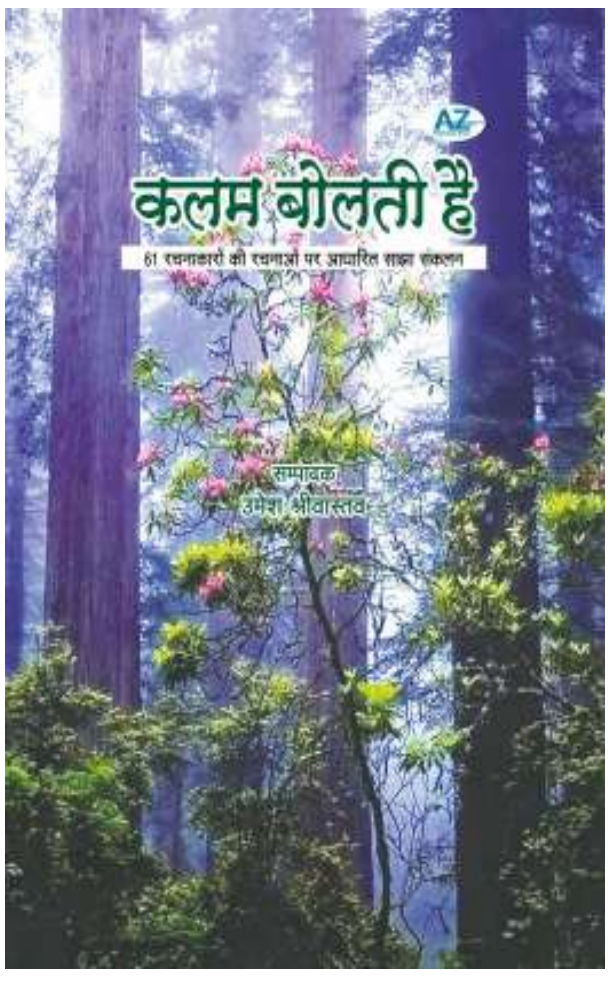

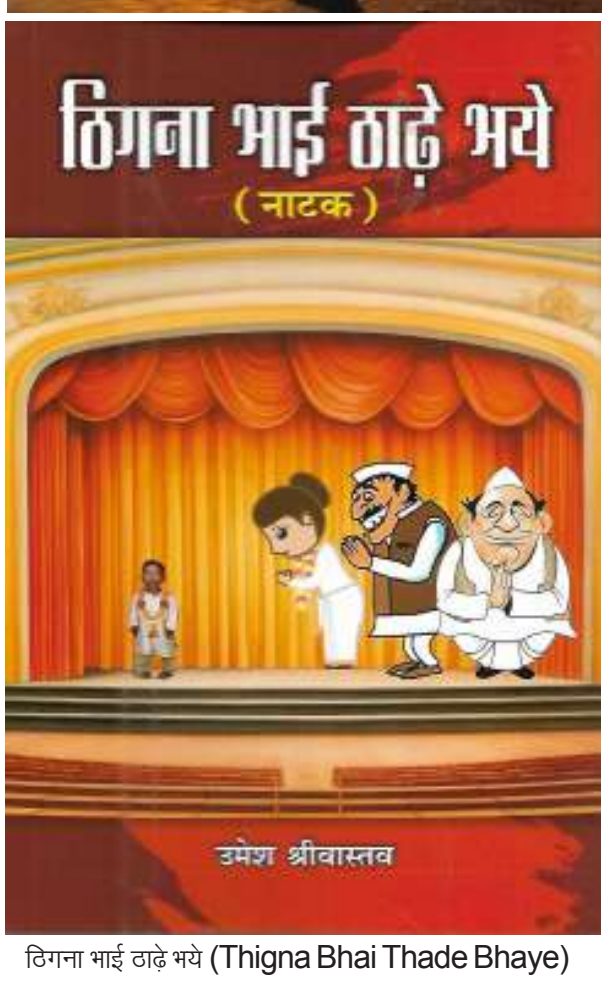

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिकी टैरिफ बदलाव के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में, सीआईटीआई की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी बोलीं

नई दिल्ली,एजेंसी। महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि अमेरिका की नई टैरिफ नीति के बावजूद भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने से भारतीय टेक्सटाइल निर्यातकों को आगे भी बाजार, निवेश और सहयोग के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था में हालिया बदलावों के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में बना हुआ है। भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ (सीआईटीआई) की महासचिव चंद्रिमा चटर्जी ने यह दावा किया है। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ नीति के एक बड़े हिस्से को खारिज करते हुए कहा कि संबंधित कानून राष्ट्रपति को ऐसे आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद ट्रंप ने सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर 10 प्रतिशत का नया वैश्विक टैरिफ लागू करने की घोषणा की, जिसे उनकी व्यापार रणनीति का अगला चरण माना जा रहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रिमा चटर्जी ने कहा कि उद्योग यह आकलन कर रहा है कि इन बदलावों का भारत–अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर क्या प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि पहले भारत को कुछ प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले मामूली टैरिफ बढ़त हासिल थी, लेकिन वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने पर भी भारत की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत–अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय वार्ताएं जारी रहना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे भारतीय निर्यातकों को टैरिफ के अलावा निवेश, तकनीक आदान–प्रदान और सहयोग के रूप में भी फायदा मिल सकता है। चटर्जी ने यह भी कहा कि अमेरिका भारतीय टेक्सटाइल निर्यात के लिए एक प्रमुख बाजार है और कुल निर्यात में उसकी हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नीति में अधिक स्पष्टता और स्थिरता आएगी, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाजार में अपनी पकड़ और मजबूत कर सकते हैं और आगे वृद्धि के अवसर तलाश सकते हैं।

अमेरिका ने लगाया भारी शुल्क, फिर भी भारत से व्यापार घाटा 58.2 अरब डॉलर तक बढ़ा

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक भारी टैरिफ लगाए, इसके बाद भी 2025 में भारत के साथ उसका व्यापार घाटा 58.2 अरब डॉलर तक बढ़ गया। यह आंकड़ा पहले 45.7 अरब डॉलर के करीब था। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च टैरिफ के बावजूद अमेरिका की घरेलू मांग और आयात निर्भरता के कारण घाटा कम नहीं हो पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक उच्च टैरिफ लगाने के बावजूद अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 2025 में 58.2 अरब डॉलर हो गया। यह पहले 45.7 अरब डॉलर के करीब था। इस बात की जानकारी अमेरिकी सरकार ने टैरिफ पर तेज होती हलचल के बीच शनिवार को दी। बता दें कि अमेरिका का दिसंबर 2025 में कुल व्यापार घाटा (वस्तु और सेवा) 70.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर में 53 अरब डॉलर था। वहीं, दिसंबर में भारत के साथ व्यापार घाटा 5.2 अरब डॉलर रहा। पूरे साल 2025 के लिए अमेरिका का कुल व्यापार घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, जबकि 2024 में यह 903.5 अरब डॉलर था। इस दौरान अमेरिकी निर्यात 199.8 अरब डॉलर बढ़कर 3,432.3 अरब डॉलर हो गया और आयात 197.8 अरब डॉलर बढ़कर 4,333.8 अरब डॉलर पहुंच गया। वस्तुओं के व्यापार में घाटा 25.5 अरब डॉलर बढ़कर 1,240.9 अरब डॉलर हो गया। वहीं, सेवाओं में अधिशेष 27.6 अरब डॉलर बढ़कर 339.5 अरब डॉलर रहा। 2025 में अमेरिका का व्यापार घाटा अन्य देशों के साथ इस प्रकार रहा–बता दें कि ये पूरा मामला तब सामने आया जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के लगाए गए टैरिफ को गैर–कानूनी बताते हुए रद्द कर दिया। लेकिन इसके तुरंत बाद ट्रंप ने धारा 122 का इस्तेमाल करते हुए 150 दिनों के लिए अमेरिका में आयातित सामान पर 10 प्रतिशत अस्थायी टैरिफ लगा दिया। यह टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा। व्हाइट हाउस की फैक्टशीट के मुताबिक, व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 122 के तहत राष्ट्रपति कुछ आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं (जैसे व्यापार घाटा) को कम करने के लिए सरचार्ज और अन्य आयात प्रतिबंध लगा सकते हैं। व्हाइट हाउस की ओर से जारी फैक्टशीट के अनुसार, कुछ जरूरी और महत्वपूर्ण वस्तुओं पर यह टैरिफ लागू नहीं होगा।

इनमें शामिल हैं–

- खनिज और बुलियन में उपयोग होने वाली धातुएं
- ऊर्जा और ऊर्जा उत्पाद
- प्राकृतिक संसाधन और उर्वरक
- कृषि उत्पाद
- फार्मास्यूटिकल्स और संबंधित सामग्री
- कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स और यात्री वाहन

संक्षिप्त

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया स्मार्ट प्रधानमंत्री, ट्रेड डील पर बोले- हमारा फायदा उठाया गया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति के नए फैसले के बाद भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला टैरिफ

घटाकर 10प्रतिशत कर दिया गया है, जो पहले 18प्रतिशत तय किया गया था। यह नया अस्थायी टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा और फिलहाल 150 दिनों तक प्रभावी रहेगा। ट्रंप ने इसे अस्थायी आयात शुल्क बताया है, जिसका मकसद अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय भुगतान संतुलन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करना है। वहीं, टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि पीएम मोदी हमारा फायदा उठा रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर फैसले के बावजूद भारत के साथ हुई ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा। ट्रंप के मुताबिक, श्कुछ भी नहीं बदला है– भारत हमें टैरिफ देता रहेगा, जबकि अमेरिका भारत को कोई टैरिफ नहीं देगा।

ग्लोबल टैरिफ के बाद भारत पर 18प्रतिशत नहीं, 10प्रतिशत शुल्क, ट्रंप ने कहा- व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी अपनी टैरिफ नीति से पीछे हटने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देकर उसे हटाने का आदेश दिया, लेकिन ट्रंप ने तुरंत 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए जब ट्रंप से भारत के साथ व्यापार समझौते पर ग्लोबल टैरिफ के असर को लेकर सवाल किया गया तो ट्रंप ने साफ कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौते में कुछ नहीं बदलेगा। ट्रंप का ग्लोबल टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा और फिलहाल यह 150 दिनों तक लागू रहेगा। उसके बाद अमेरिकी संसद में इस पर प्रस्ताव लाया जाएगा और फिर अमेरिकी संसद तय करेगी कि इसे आगे बनाए रखना है या नहीं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को अवैध ठहराने के बाद और उसके बाद ट्रंप द्वारा 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ लगाने के बाद अब सवाल उठता है कि भारत पर कितना टैरिफ लगेगा? सीएनबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक अब भारत पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। कई देशों पर 10 प्रतिशत से ज्यादा टैरिफ था, जिनमें यूरोपीय संघ पर 15 प्रतिशत, जापान पर 15 प्रतिशत, ब्रिटेन पर 10 प्रतिशत और भारत पर 18 प्रतिशत। अब ग्लोबल टैरिफ के बाद इन सभी देशों पर टैरिफ घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा। इस तरह भारत पर भी अब 18 के बजाय 10 प्रतिशत टैरिफ ही लागू होगा। ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ घोषित अंतरिम व्यापार समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कुछ नहीं बदलेगा। भारत टैरिफ देगा और हम नहीं देंगे। उनके अनुसार यह पहले की स्थिति से उलट है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को बहुत अच्छा बताया। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ हटाए थे और नए ढांचे के तहत इसे घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही थी। प्रेस वार्ता में ट्रंप ने फिर दावा किया कि उन्होंने टैरिफ की धमकी देकर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को 200 प्रतिशत टैरिफ की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि उनके अनुरोध पर भारत ने रूस से तेल खरीद में कमी की। हालांकि इन दावों पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी हैं।

ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर अब लगाया नया टैरिफ, इन धाराओं का किया इस्तेमाल, बढ़ सकता है व्यापार तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने छह–तीन के फैसले में कहा कि राष्ट्रपति ने एक कानून का गलत इस्तेमाल करके दुनिया भर के देशों पर टैरिफ (आयात शुल्क) लगाया था। ट्रंप सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम, 1977 (आईईईपीए) नाम के कानून का इस्तेमाल करके कई देशों पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगा दिए थे। लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह कानून राष्ट्रपति को टैक्स या टैरिफ लगाने की शक्ति नहीं देता। संविधान के अनुसार टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ अमेरिकी संसद के पास है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे बहुत खराब फैसला बताया और नया आदेश जारी करते हुए पूरी दुनिया पर तुरंत 10प्रतिशत का नया टैरिफ लगा दिया। यह टैरिफ ट्रेड एक्ट 1974 के सेक्शन 122 के तहत लगाया गया है, जो 150 दिन तक अस्थायी शुल्क लगाने की अनुमति देता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ ही घंटों के भीतर, ट्रंप ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करके अस्थायी आयात शुल्क लागू किया, जिसका उद्देश्य बुनियादी अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं का समाधान करना और अमेरिकी श्रमिकों, किसानों और निर्माताओं को लाभ पहुंचाने के लिए हमारे व्यापार संबंधों को पुनर्संतुलित करने के प्रशासन के काम को जारी रखना था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

बड़े कॉरपोरेट रहे चुप, एक खिलौना कारोबारी ने ट्रंप से लिया लोहा, जानें रिक वोल्डेनबर्ग कौन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति पर राजनीतिक बयानबाजी तेज थी और बड़े कॉरपोरेट घराने खामोश थे, तब एक खिलौना कारोबारी ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह कहानी किसी बड़े उद्योगपति की नहीं, बल्कि एक पारिवारिक कंपनी चलाने वाले सीईओ की है, जिसने माना कि नीति गलत है तो उसका विरोध होगा। फिर वो लड़ाई चाहे देश की सरकार या फिर राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ ही क्यो न हो। ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले कोई और नहीं बल्कि रिक वोल्डेनबर्ग है। वोल्डेनबर्ग का कहना था कि यह सिर्फ व्यापार का मामला नहीं, बल्कि पीढ़ियों से खड़े किए गए कारोबार के अस्तित्व की लड़ाई थी। रिक वोल्डेनबर्ग शिकागो के पास स्थित शैक्षणिक खिलौना कंपनी लर्निंग रिसोर्सेज के सीईओ हैं। उनकी कंपनी की स्थापना उनकी मां ने की थी। श्लिबरेशन डेश टैरिफ की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर उन्होंने वकीलों से संपर्क किया और राष्ट्रपति के फैसले को अदालत में चुनौती दी। उनका आरोप था कि आईईईपीए कानून के तहत लगाए गए टैरिफ छोटे और मध्यम उद्योगों पर भारी बोझ डाल रहे हैं, जबकि बड़ी कंपनियां लॉबिंग और संसाधनों के दम पर खुद को बचा लेती हैं। कंपनी का लोकप्रिय उत्पाद श्बबल प्लश योगा बॉल बडीजश इस विवाद का प्रतीक बन गया। पहले चीन में उत्पादन हुआ, फिर भारत में शिफ्ट किया गया। उसके बाद अचानक नए टैरिफ लागू हो गए। एक शिपमेंट पर कंपनी को लगभग 50,000 डॉलर अतिरिक्त शुल्क देना पड़ा। वोल्डेनबर्ग ने कहा कि उत्पादन को बार–बार देशों में बदलना पड़ा, जैसे कंपनी भटकती फिर रही हो। इस कानूनी लड़ाई में बड़े अमेरिकी कॉरपोरेट आगे नहीं आए। जानकारों का कहना है कि बड़ी कंपनियों के पास नकदी भंडार और सप्लाई चेन प्रबंधन की क्षमता होती है। वे अदालत के बजाय लॉबिंग का रास्ता अपनाती हैं। इसके उलट, दर्जनों छोटे कारोबारियों और कुछ गैर–लाभकारी संगठनों ने वोल्डेनबर्ग का समर्थन किया। और कोर्ट में ही लड़ाई लड़ी। वोल्डेनबर्ग और अन्य कंपनियों ने दलील दी कि 1977 का आईईईपीए कानून राष्ट्रपति को व्यापक टैरिफ लगाने की अनुमति नहीं देता। कई निचली अदालतों ने भी माना कि टैरिफ कानूनी सीमा से बाहर थे। इस मामले में अरबों डॉलर के व्यापार और संभावित 100 अरब डॉलर से अधिक रिफंड का सवाल जुड़ा था। फैसला सिर्फ एक कंपनी के लिए नहीं, बल्कि पूरे कारोबारी तंत्र के लिए अहम माना गया। रिक वोल्डेनबर्ग ने स्वीकार किया कि उनकी कानूनी फीस लाखों डॉलर तक पहुंच गई है। उन्होंने इसे जरूरी निवेश बताया। उनका कहना है कि अमेरिका के लाखों छोटे व्यवसाय इसी तरह की स्थिति से जूझ रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग सीधे राष्ट्रपति के फैसले को अदालत में चुनौती देने का जोखिम उठाते हैं। इसी वजह से वोल्डेनबर्ग का नाम इस लड़ाई में अलग पहचान बना सका।

भारतवंशी नील कात्याल कौन ?: जिन्होंने पलट दिया ट्रंप टैरिफ का पूरा खेल, बने ऐतिहासिक फैसले का चेहरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को असंवैधानिक करार देकर बड़ा फैसला सुनाया। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में एक भारतीय मूल का नाम उभरा, नील कात्याल। नील ने ही अदालत में ट्रंप के उस कदम को चुनौती दी, जिसमें 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट यानी आईईईपीए का इस्तेमाल कर लगभग सभी व्यापारिक साझेदार देशों पर टैरिफ लगाए गए थे। नील कात्याल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि राष्ट्रपति ने आपात आर्थिक शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरअसल टैक्स होते हैं और टैक्स लगाने का अधिकार केवल अमेरिकी कांग्रेस को है, न कि राष्ट्रपति को। कात्याल ने इन टैरिफ को अन्यायपूर्ण और असंवैधानिक टैक्स बताया। सुप्रीम कोर्ट ने छह–तीन के बहुमत से कहा कि संविधान के तहत टैक्स लगाने की शक्ति कांग्रेस के पास है। यह मामला छोटे अमेरिकी कारोबारियों द्वारा दायर किया गया था, जिन्हें लगा कि टैरिफ से उनका व्यापार प्रभावित हो रहा है।

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक दबाव का जरूरी कदम बताया था। लेकिन अदालत ने साफ कहा कि आपात शक्तियों के नाम पर राष्ट्रपति व्यापक टैक्स नहीं लगा सकते। नील कात्याल का जन्म शिकागो में भारतीय प्रवासी माता–पिता के घर हुआ। उनके पिता इंजीनियर और माता डॉक्टर थीं। उन्होंने डार्टमाउथ कॉलेज और येल लॉ स्कूल से पढ़ाई की। वह अमेरिका के कार्यवाहक सॉलिसिटर जनरल रह चुके हैं और सुप्रीम कोर्ट में 50 से अधिक मामलों में पैरवी कर चुके हैं। वह कई बड़े संवैधानिक मामलों में अहम भूमिका निभा चुके हैं। कात्याल वर्तमान में मिलबैंक एलएलपी में साझेदार हैं और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में प्रोफेसर हैं। उन्होंने 1965 के वोटिंग राइट्स एक्ट की संवैधानिकता का बचाव किया, ट्रंप के 2017 ट्रैवल बैन को चुनौती दी और कई राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया। वह जॉर्ज फ्लॉयड हत्या मामले में मिनेसोटा राज्य के विशेष अभियोजक भी रह चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भविष्य में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति की आपात आर्थिक शक्तियों के इस्तेमाल पर सीमा तय करता है।

कात्याल ने कहा कि एक प्रवासी परिवार का बेटा अदालत में खड़ा होकर कह सकता है कि राष्ट्रपति कानून तोड़ रहे हैं, और अदालत उसे सुनती है, यही लोकतंत्र की ताकत है। यह फैसला अमेरिकी संविधान और शक्तियों के संतुलन के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

टैरिफ ले नहीं सकता, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकता हूं', कोर्ट के फैसले पर बोले ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को शर्मनाक बताया।

नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि वह किसी से टैरिफ नहीं ले सकते, लेकिन वह किसी भी देश के साथ व्यापार पूरी तरह बंद कर सकते हैं और उस देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकते हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ को अवैध करार देते हुए उसे रद्द करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जिन चीजों को गलत तरीके से खारिज किया है, उनकी जगह लेने के लिए दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल किया जाएगा। हमारे पास विकल्प हैं, बहुत अच्छे विकल्प हैं। इसका मतलब यह हो सकता है कि हमें ज्यादा पैसा मिलेगा। हम ज्यादा पैसा हासिल करेंगे और इससे हम और ज्यादा मजबूत बनेंगे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ रद्द करने के फैसले के कुछ घंटे बाद ही ट्रंप ने दुनियाभर के देशों पर 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने का एलान कर दिया। ट्रंप ने धारा 122 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। अमेरिकी कानून के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति 150 दिनों तक 15 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकते हैं। इसका इस्तेमाल करते हुए ट्रंप ने 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाया है। 150 दिनों के बाद अमेरिकी संसद में प्रस्ताव लाकर इसे आगे जारी रखने या न रखने पर फैसला किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, श्आपको यह दिखाने के लिए कि यह फैसला कितना बेकार है, कोर्ट ने कहा कि मुझे एक डॉलर भी शुल्क लगाने की अनुमति नहीं है। मैं एक डॉलर भी नहीं ले सकता। यह फैसला जरूर उन दूसरे देशों की सुरक्षा के लिए लिया गया होगा, न कि संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, जिसकी रक्षा उन्हें करनी चाहिए। यही उनका काम है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास उन देशों के साथ किसी भी तरह का व्यापार या कारोबार पूरी तरह बंद करने का अधिकार है। दूसरे शब्दों में, वह व्यापार को खत्म कर सकते हैं। वह उस देश की अर्थव्यवस्था को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि कौन–सा लाइसेंस कभी बिना शुल्क लिए जारी किया गया है? जब आप लाइसेंस जारी करते हैं तो आप शुल्क लेते हैं। यह अपने–आप होता है, लेकिन इस कोर्ट के साथ ऐसा नहीं है।

लेबनान में इस्राइली हमलों से 12 की मौत, बच्चों समेत 24 घायल, क्षेत्रीय तनाव और गहराया

बेरूत, एजेंसी। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उसी दिन सैदा शहर के एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर हुए अलग हमले में दो और लोगों की जान गई। इन घटनाओं से क्षेत्र में हालात और संवेदनशील हो गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को बेका घाटी में कई ठिकानों पर हवाई हमले हुए। स्थानीय टीवी फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनते दिखाया गया। हमले के बाद इमारत में आग लग गई और राहत टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश करती रहीं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह की ओर से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। सैदा में शरणार्थी शिविर पर हमला दिन में पहले सैदा के ऐन अल–हिलवेह फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर भी हमला हुआ। इस्राइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हमास ने दो सदस्यों की मौत की पुष्टि की, लेकिन कहा कि कमांड सेंटर पर हमले का दावा कमजोर बहाना है। संगठन ने कहा कि जिस इमारत को निशाना बनाया गया वह विभिन्न फलस्तीनी गुटों की संयुक्त सुरक्षा इकाई की थी। अक्तूबर 2023 में हमास के नेतृत्व में इस्राइल पर हुए हमले के बाद गाजा में युद्ध शुरू हुआ। इसके समर्थन में हिजबुल्लाह ने लेबनान से इस्राइल पर रॉकेट दागे। जवाब में इस्राइल ने हवाई हमले और गोलाबारी की। सितंबर 2024 में यह टकराव व्यापक युद्ध में बदल गया। दो महीने बाद अमेरिका की मध्यस्थता से युद्धविराम हुआ, लेकिन पूरी तरह शांति बहाल नहीं हो सकी। तब से इस्राइल लेबनान में नियमित हमले करता रहा है। शुक्रवार के हमलों में मौतों की संख्या असामान्य रूप से अधिक रही। यह उस समय हुआ है जब अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है।

क्या पूर्व प्रिंस एंड्रयू की गिरफ्तारी से डगमगाएगी राजशाही? 350 साल पहले हुई थी कुछ ऐसी घटना

न्यू साउथ वेल्स , एजेंसी। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य एंड्रयू माउंटबैटन–विंडसर (प्रिंस एंड्रयू) की गिरफ्तारी की खबर ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। यह मामला इसलिए बड़ा माना जा रहा है क्योंकि ब्रिटिश इतिहास में बहुत कम बार ऐसा हुआ है कि किसी शाही सदस्य पर सीधे कानून का शिकंजा कसता दिखा हो। इतिहासकार बताते हैं कि लगभग 350 साल पहले, 1649 में राजा चार्ल्स–प को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया था और बाद में उन्हें फांसी दी गई थी। उस घटना के बाद कुछ समय के लिए ब्रिटेन में राजशाही ही खत्म हो गई थी। इस वजह से अब एंड्रयू की गिरफ्तारी की तुलना उसी ऐतिहासिक घटना से की जा रही है– हालांकि इस बार स्थिति उतनी गंभीर नहीं है। आज का दौर अलग है, पहले मीडिया शाही परिवार के निजी मामलों को छिपाता था। अब सोशल मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता के कारण हर बात तुरंत सार्वजनिक हो जाती है। जनता का भरोसा अब छवि और पारदर्शिता पर टिका है। एंड्रयू पहले से ही कई विवादों में रहे थे– जैसे अमीर लोगों से नजदीकी, श्कैश–फॉर–एक्सेसश विवाद और निजी नेटवर्किंग के आरोप शामिल हैं। इसलिए उनकी गिरफ्तारी ने शाही परिवार की छवि को और झटका दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि तुरंत राजशाही खत्म होने जैसी स्थिति नहीं है, क्योंकि एंड्रयू राजा नहीं हैं और ब्रिटेन में अब राजा की भूमिका सिर्फ प्रतीकात्मक है। लेकिन३ इससे जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है, राजशाही की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा और शाही परिवार को खुद को और दूर और पारदर्शी बनाना पड़ेगा। राजशाही आज सत्ता से नहीं, बल्कि जनता के भरोसे से चलती है

'ऐसे फैसले की नहीं थी उम्मीद': सुप्रीम कोर्ट पर जमकर बरसे ट्रंप, कहा- आठ युद्ध में से पांच टैरिफ से खत्म किए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ को लेकर आए अदालत के ताजा फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी सरकार की बातों को सही तरीके से नहीं सुना गया। ट्रंप ने फैसले को निराशाजनक बताते हुए कहा कि उन्हें ऐसे निर्णय की उम्मीद नहीं थी। उनके मुताबिक, यह फैसला हतोत्साहित करने वाला है और इससे अमेरिका के आर्थिक हितों को नुकसान पहुंच सकता है। राष्ट्रपति ने निर्णय सुनाने वाले जजों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने संकेत दिया कि अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी उद्योगों के हितों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया।

ट्रंप ने दोहराया कि उनका लक्ष्य अमेरिका को फिर से महान बनाना है और इसके लिए सख्त व्यापारिक नीतियां जरूरी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि टैरिफ को लेकर सरकार के पास अभी भी कई अन्य कानूनी और नीतिगत विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्रशासनिक टीम सभी संभावनाओं पर विचार कर रही है और अमेरिकी उद्योगों तथा श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।